राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 22 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–147 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कर्नाटक के मैसूर में पीएम मोदी बोले, योग देश और दुनिया को शांति का संदेश देता है

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के मैसूर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने देश और दुनिया के सभी लोगों को 8वें अंतराराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी। पीएम मोदी ने कहा कि मैसूर जैसे भारत के आध्यात्मिक केन्द्रों ने जिस योग-ऊर्जा को सदियों से पोषित किया, आज वो योग ऊर्जा विश्व स्वास्थ्य को दिशा दे रही है। आज योग वैश्विक सहयोग का पारस्परिक आधार बन रहा है। आज योग मानव मात्र को निरोग जीवन का विश्वास दे रहा है।

'वैश्विक पर्व बन गया है योग'

पीएण मोदी ने कहा कि योग अब एक वैश्विक पर्व बन गया है। योग किसी व्यक्ति मात्र के लिए नहीं, संपूर्ण मानवता के लिए है। इसलिए, इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम है- Yoga for humanity। उन्होंने कहा कि योग हमारे लिए शांति लाता है। योग से शांति केवल व्यक्तियों के लिए नहीं है। योग हमारे समाज में शांति लाता है। योग हमारे राष्ट्रों और विश्व में शांति लाता है। योग हमारे ब्रह्मांड में शांति लाता है।

शरीर और आत्मा से शुरू होता है ब्रह्मांड

⏮ यह पूरा ब्रह्मांड हमारे अपने शरीर और आत्मा से शुरू होता है।

⏮ ब्रह्मांड हम से शुरू होता है।

⏮ योग हमें अपने भीतर की हर चीज के प्रति जागरूक बनाता है और जागरूकता की भावना पैदा करता है।

'आजादी के 75वें वर्ष में मनाया जा रहा यह योग दिवस'

पीएम मोदी ने कहा कि भारत में हम इस बार योग दिवस एक ऐसे समय पर मना रहे हैं जब देश अपनी आजादी के 75वें वर्ष का पर्व मना रहा है, अमृत महोत्सव मना रहा है। योग दिवस की ये व्यापकता, ये स्वीकार्यता भारत की उस

अमृत भावना की स्वीकार्यता है जिसने भारत के स्वतन्त्रता संग्राम को ऊर्जा दी थी।

पीएम मोदी के संबोधन की प्रमुख बातें

⏮ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हमने इस बार 'Guardian Ring of Yoga' का ऐसा ही अभिनव प्रयोग विश्व भर में हो रहा है।

⏮ दुनिया के अलग-अलग देशों में सूर्योदय के साथ, सूर्य की गति के साथ, लोग योग कर रहे हैं।

⏮ दुनिया के लोगों के लिए योग आज हमारे लिए केवल part of life नहीं, बल्कि योग अब way of life बन रहा है।

⏮ हम कितने तनावपूर्ण माहौल में क्यों न हों, कुछ मिनट का ध्यान हमें relax कर देता है, हमारी productivity बढ़ा देता है। इसलिए, हमें योग को एक अतिरिक्त काम के तौर पर नहीं लेना है।

⏮ हमें योग को जानना भी है, हमें योग को जीना भी है।

⏮ हमें योग को पाना भी है, हमें योग को अपनाना भी है।

'तनाव को शांत करता है योग'

पीएम मोदी ने कहा कि हम कितने तनावपूर्ण माहौल में क्यों न हों, कुछ मिनट का ध्यान हमें शांत कर देता है, हमारी उत्पादकता को बढ़ा देता है। हमें योग को एक अतिरिक्त काम के तौर पर नहीं लेना है। हमें योग को जानना भी है, जीना भी है, अपनाना भी है। जब हम योग को जीने लगेंगे तब योग दिवस हमारे लिए योग करने का नहीं बल्कि अपने स्वास्थ्य, सुख, और शांति का जश्न मनाने का माध्यम बन जाएगा।

अंतराराष्ट्रीय योग दिवस पर कर्नाटक के मैसूर में पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि योग देश और दुनिया को शांति का संदेश देता है। योग से हमारे समाज में शांति आती है। योग हमारे ब्रह्मांड में शांति लाता है।

मानसिक रूप से विशेष बच्चों के लिए योग शिविर का आयोजन, बताए गए योगासनों के फायदे

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में स्पेशल ओलम्पिक्स भारत ने मानसिक रूप से विशेष बच्चों के लिए योग शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन मैत्रेयी कॉलेज और होटल ललित के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय स्तर के फुटबॉल कोचिंग कैम्प के समापन सत्र के दौरान हुआ। इस दौरान बच्चों को कई योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया और उन्हें उनके फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर उपस्थित 'स्पेशल ओलम्पिक्स भारत' की चेयरपर्सन और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की पत्नी डॉ. मल्लिका नड्डा, ललित होटल की सीएमडी ज्योत्सना सूरी, यदु पब्लिक स्कूल की चेयरपर्सन कुंज यादव, पंजाब केसरी प्रकाशन समूह की किरण चोपड़ा आदि ने न सिर्फ बच्चों की हौसलाफजाई किया, बल्कि उनके साथ योगासन भी किए।

बच्चों के साथ योग करने का अनुभव बिल्कुल अलग

स्वयं राष्ट्रीय स्तर की एथलीट रह चुकी कुंज यादव ने बताया कि स्पेशल ओलिंपिक भारत असल में भारत सरकार के खेल एवं युवा मंत्रालय का एक विशेष प्रयास है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेलो इंडिया के अंतर्गत दिव्यांगों व शारीरिक एवं मानसिक रूप से विशेष बच्चों के लिए शुरू किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मैं हर साल बहुत सारे योग कार्यक्रम में अवश्य शामिल होती हूं। लेकिन इन बच्चों के साथ योग करने का अनुभव बिल्कुल अलग है। कुंज ने कहा,आज हमारा देश अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। ऐसे में एक जिम्मेदार नागरिक, विशेष रूप से एक मां होने के नाते मुझे लगता है कि हमें उन बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, जो कुछ विशेष शारीरिक अथवा मानसिक चुनौतियों के कारण समाज की मुख्यधारा में शामिल नहीं हो पाते हैं या फिर बहुत पीछे छूट जाते हैं।

प्रियव्रत फौजी की गिरफ्तारी के बाद अब पंजाब पुलिस का फोकस कुस्सा और रूपा पर

चंडीगढ़। दिल्ली पुलिस के स्पैशल सैल ने पंजाब पुलिस की उच्चाधिकारियों से भरी भारी-भरकम टीम को एक बार फिर पछाड़ दिया है। सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में पंजाब पुलिस जहां गाडियां, रेकी और लोकल सपोर्ट देने वालों को ही पकड़ पाई है, वहीं दिल्ली पुलिस ने मर्डर में शामिल मुख्य शूटरों में से 2 को गिरफ्तार कर लिया है। अब पंजाब पुलिस पर प्रैशर बढ़ गया है, क्योंकि वारदात में शामिल रहे दूसरे 2 शूटर पंजाब के ही मनु कुस्सा व रूपा अभी तक हत्थे नहीं चढ़ पाए हैं। दिल्ली पुलिस के एक्शन के बाद अब पंजाब पुलिस का पूरा फोकस दोनों को पकडने पर है। हालांकि पंजाब पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि यह अलग बात है कि प्रियव्रत फौजी की गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस द्वारा की गई है लेकिन प्रियव्रत फौजी मूसेवाला की हत्या के मामले में शामिल था, इसका खुलासा पंजाब पुलिस की जांच के दौरान ही हुआ था और पंजाब पुलिस द्वारा ही सी.सी.टी.वी. फुटेज से इसे पुख्ता भी किया गया था।

ध्यान रहे कि मूसेवाला मर्डर केस में अब तक पंजाब पुलिस की एस.आई.टी., दिल्ली पुलिस और महाराष्ट्र पुलिस द्वारा की गई छानबीन व धरपकड़ के बाद यह सामने आया था कि हत्या के लिए मुख्य रूप से 4 शूटरों ने गोलियां चलाई थीं, जिनमें सोनीपत का रहने वाला प्रियव्रत उर्फ फौजी, उसका साथी अंकित, मोगा के गांव कुस्सा का रहने वाला मनु कुस्सा और अमृतसर के नजदीक का रहने वाला जगरूप सिंह उर्फ रूपा शामिल था। हालांकि दिल्ली पुलिस ने सोमवार को दावा किया है कि शूटरों में प्रियव्रत के साथ कशिश भी शामिल था, जिसे वारदात से पहले फतेहाबाद में उसी बोलैरो गाड़ी में तेल भरवाते देखा गया था, जहां प्रियव्रत को देखा गया था। उधर, दिल्ली पुलिस द्वारा गुजरात के मुंद्रा से की गई उक्त गिरफ्तारी की खबर मिलने के बाद पंजाब पुलिस ने अपनी टीमों को सूचित कर दिया है कि मनु कुस्सा और रूपा को ट्रेस करने की तरफ ध्यान लगाया जाए और जल्द से जल्द उन्हें गिरफ्त में लिया जाए।

जम्मू-कश्मीर के सोपोर में मुठभेड़; सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया, सर्च ऑपरेशन जारी

कश्मीर जोन पुलिस ने बताया कि सोपोर के तुलीबल इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। वहीं, कुपवाड़ा जिले में सोमवार को मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए थे।

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सोपोर में मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि तुलीबल इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट करके इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर को लेकर आगे के अपडेट भी दिए जाएंगे। वहीं, कुपवाड़ा जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो और आतंकवादी मारे गए जिसके बाद अभियान में मारे गए आतंकवादियों की संख्या चार हो गई। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, कुलगाम और पुलवामा जिलों में पिछले 24 घंटों में तीन मुठभेड़ों में सात आतंकवादी मारे गए हैं।

कुपवाड़ा में 2 लश्कर आतंकी ढेर

पुलिस ने कहा कि कुपवाड़ा के चंडीगाम लोलाब इलाके के जंगलों में रविवार को चलाए गए घेराबंदी और तलाश अभियान के

दौरान प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। पुलिस ने कहा कि इस मुठभेड़ में लश्कर के स्थानीय आतंकवादी शौकत अहमद शेख सहित चार आतंकवादी मार गिराए गए हैं, जिनमें तीन पाकिस्तानी आतंकवादी शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक शोपियां में हुए शक्तिशाली वस्फिोटक उपकरण (आईईडी) वस्फिोट के सिलसिले में इसी महीने गिरफ्तार शौकत की निशानदेही पर ही कुपवाड़ा में तलाशी अभियान शुरू किया गया था, जिस दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। वह भी मुठभेड़ में फंस गया और गोलीबारी के दौरान मारा गया।

काबुल के गुरुद्वारे में रह रहे 150 सिख भारत लौटने के इंतजार में

नई दिल्ली। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से राजधानी काबुल के एक गुरुद्वारे में रह रहे 150 से अधिक सिख भारत आने के लिए वीजा पाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह वही गुरुद्वारा है जहां शनिवार को आतंकवादियों ने हमला किया था।

गुरुद्वारा करता-ए-परवान के अध्यक्ष गुरुनाम सिंह ने काबुल से टेलीफोन पर बताया कि भारत सरकार से अपील की कि हिंदुओं और सिखों को सुरक्षित निकालने के अभियान में तेजी लायी जाए। इस बीच सरकार ने गुरुद्वारे पर हमले के बाद सौ से ज्यादा सिखों और हिंदुओं के लिए ई-वीजा जारी किए हैं। गुरुनाम सिंह ने कहा कि तालिबान के लौटने के बाद से 150 से अधिक सिख भारत आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनके पास वैध भारतीय वीजा भी थे लेकिन उन्हें रद्द कर दिया गया। वे काबुल में अपनी दुकानें बेचने और पूरी तरह से वहां से निकलने के लिए तैयार हैं। वे रातों को सो नहीं पा रहे हैं और दिन गिन रहे हैं।

अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने रविवार को उनसे मुलाकात की थी और क्षतिग्रस्त गुरुद्वारे की मरम्मत में मदद का आश्वासन दिया था। लेकिन अब वक्त आ गया है कि (भारत) सरकार तेजी लाए। भारत सरकार ने जो बचाव अभियान शुरू किया था वह अभी समाप्त नहीं हुआ है। अभी भी बहुत से लोग हैं जो भारत आना चाहते हैं और कई माह से वीजा का इंतजार कर रहे हैं।

सौ से अधिक वीजा जारी करने के सरकार के कदम के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, '' अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हम सरकार से बचाव अभियान में तेजी लाने, उड़ाने भेजने और ऐसे तरीके तलाशने की अपील करते हैं जिससे इन लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित नहीं हो।''

लद्दाख से सिक्किम तक, ITBP के हिमवीरों ने किया योग

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत सहित पूरी दुनिया में अलग-अलग स्थानों पर लोग योग कर रहे हैं। पीएम मोदी मैसूर में तो वहीं हरिद्वार स्थित पंताजलि योगपीठ में योग गुरु बाबा रामदेव योग कर रहे हैं। इसी बीच आईटीबीपी के जवानों ने देश के दुर्गम हिस्सों में योग किया। आईटीबीपी के हिमवीरों की शानदार तस्वीरें देश के अलग-अलग हिस्सों से आई हैं। दरअसल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के हिमवीर आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सिक्किम स्थित 17 हजार फीट बर्फ की स्थिति में योग का अभ्यास करते नजर आए। वहीं ये हिमवीर उत्तराखंड में भी 16

हजार फीट की ऊंचाई पर योग का अभ्यास करते नजर आए। इसके अलावा उन्होंने हिमाचल प्रदेश में 16500 फीट की ऊंचाई पर भी योग का अभ्यास किया। लद्दाख में भी 17 हजार फीट की ऊंचाई पर भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के हिमवीरों ने योग किया। न्यूज एजेंसी एएनआई ने इन हिमवीरों की कुछ शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इसके अलावा कुछ वीडियो भी सामने आए हैं।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने देश के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योग निरोग जीवन को विश्वास दे रहा है और घर-घर में योग का प्रसार हो रहा है। साथ ही बोले योग वैश्विक पर्व बन गया है।

बता दें कि कोरोना महामारी के चलते साल 2020 और 2021 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सार्वजनिक तौर पर नहीं मनाया गया था। इस तरह वर्ष 2019 के बाद इस साल सार्वजनिक तौर पर योग दिवस मनाया जा रहा है।

फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को फिर दिया झटका, बीजेपी के 5 उम्मीदवार जीते; जमकर हुई क्रॉस वोटिंग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में महा विकास अघाड़ी को बड़ा झटका लगा है। भगवा पार्टी इस चुनाव में 10 में से पांच सीटें जीतने में कामयाब रही। वहीं, चंद्रकांत हंडोरे को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस के भाई जगताप ने अपनी ही पार्टी के विधायकों पर गद्दारी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसकी शिकायत पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से करने की बात कही है। वहीं, महराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शिवसेना विधायकों की एक बैठक बुलाई है।

आपको बता दें कि एमएलसी चुनाव में शिवसेना उम्मीदवारों को मामूली अंतर से जीत मिली है। शिवसेना के पास 55 विधायकों के अलावा निर्दलीय विधायकों का समर्थन है। लेकिन चुनाव में शिवसेना को सिर्फ 52 वोट मिले हैं। उद्धव ठाकरे को यह बात खटक गई। उन्होंने अपने आवास पर विधायकों की अर्जेंट बैठक बुलाई है।

महाराष्ट्र विधान परिषद में भाजपा पांच सीटें जीतने में कामयाब

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में सभी 10 सीटों के परिणाम सोमवार देर रात आ गए। भाजपा अपने सभी पांचों उम्मीदवारों को जिताने में कामयाब रही। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के खाते में दो-दो सीटें जबकि कांग्रेस के खाते में एक सीट आई है। शिवसेना की तरफ से सचिन अहिर और आमश्या पाडवी को जीत मिली है जबकि एनसीपी की तरफ से रामराजे निंबालकर और एकनाथ खड़से ने जीत हासिल की है। भाजपा की ओर से प्रसाद लाड, श्रीकांत भारतीय, प्रवीण दरेकर, उमा खापरे और राम शिंदे ने बाजी मारी है। कांग्रेस के उम्मीदवार भाई जगताप को भी जीत मिली है।

कांग्रेस विधायकों ने की क्रॉस वोटिंग

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के 44 विधायक थे लेकिन इनमें से सिर्फ 41 ने ही कांग्रेस को पहली प्राथमिकता दी। तीन विधायकों के क्रास वोटिंग करने की खबर सामने आई। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पार्टी के उम्मीदवारों को कुल 134 वोट मिले हैं। इससे पहले मतगणना को लेकर देर रात तक हंगामा होता रहा।

एनसीपी ने भाजपा पर खरीद फरोख्त का आरोप लगाया

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में भाजपा के प्रसाद लाड से कांग्रेस प्रत्याशी चन्द्रकांत हांदोरे की हार के बाद एनसीपी ने भाजपा पर 'खरीद-फरोख्त' का आरोप लगाया। वहीं शिवसेना ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अधिकारों का दुरुपयोग करके जीत हासिल की। कांग्रेस का कहना है कि अगर उसके विधायकों ने हांदोरे के लिए वोट नहीं किया तो इसके लिए किसी को दोष नहीं दे सकते।

कांग्रेस के दो प्रत्याशियों में से भाई जगताप को जीत मिली है लेकिन हांदोरे भाजपा प्रत्याशी लाड से हार गए जो कि राज्य की सत्तारूढ़ एमवीए सरकार के लिए एक झटका है। चुनाव में भाजपा के सभी पांच प्रत्याशियों को जीत मिली, वहीं शिवसेना के दो और एनसीपी के दो प्रत्याशियों को भी जीत मिली। शिवसेना के दोनों विजेता प्रत्याशियों सचिन अहीर और अमश्या पडवी को 26-26 वोट मिले हैं, जबकि पार्टी के पास कुल 55 वोट थे।

अहीर ने संवाददाताओं से कहा, 'पार्टी के वरिष्ठ इसका विश्लेषण करेंगे। उन्होंने शिवसेना को भड़काने का प्रयास किया है। परिणाम से पता चलता है कि सभी विधायक मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के साथ हैं। आपको भी पता है कि चुनाव जीतने के लिए क्या-क्या किया जा रहा है।' शिवसेना के वरिष्ठ नेता विनायक राउत ने कहा कि भाजपा के (पांचवें) उम्मीदवार को सिर्फ इसलिए जीत मिली है क्योंकि भाजपा ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया। एनसीपी के दो उम्मीदवारों को उसके संख्या बल 51 के मुकाबले 57 वोट मिले हैं। एनसीपी नेता जयंत पाटिल का कहना है कि जीत शरद पवार नीत पार्टी में विधायकों की एकजुटता दिखाती है।

सुविचार

करुणा में शीतल अग्नि होती है जो क्रूर से क्रूर व्यक्ति का हृदय भी आर्द्र कर देती है। - सुदर्शन

संपादकीय

हमले के मंसूबे

गत शनिवार अफगानिस्तान की राजधानी काबुल स्थित एक प्रतिष्ठित गुरुद्वारे पर हुए चरमपंथी हमले को भले ही तालिबान पुलिस की तत्पर कार्रवाई से विफल बना दिया, लेकिन इसे एक गंभीर चुनौती के रूप में लिया जाना चाहिए। यह हमला ऐसे वक्त में हुआ जब इस माह की शुरुआत में ही भारतीय विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव जे.पी. सिंह एक शिष्टमंडल के साथ अफगानिस्तान की राजधानी काबुल गये थे। यह बीते साल अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार बनने के बाद किसी भारतीय सरकारी शिष्टमंडल का पहला दौरा था। दल ने विदेश मंत्री आमिर खान मुतक्की से राजनयिक संबंधों व मानवीय मदद पर चर्चा की थी। बहरहाल, जैसे कि उम्मीद थी इस्लामिक स्टेट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली और इसे हाल में भाजपा प्रवक्ता द्वारा मुस्लिमों के आराध्य को लेकर की गई टिप्पणी का बदला बताया गया। निस्संदेह, अफगानिस्तान में तख्ता पलट के बाद उपजी असुरक्षा के माहौल में रह रहे गिने-चुने हिंदू-सिखों के लिये यह गंभीर स्थिति है। स्थिति इतनी विकट है कि 1970 के दशक में जहां अफगानिस्तान में एक लाख सिख रहा करते थे, उनकी संख्या डेढ़ सौ के करीब बतायी गई। अब वे भी कह रहे हैं कि वहां रहने लायक हालात नहीं हैं, हम भी वीजा न मिलने के कारण यहां फंसे हुए हैं। दरअसल, आईएस के इस हमले के पीछे गहरे निहितार्थ हैं। वह विवादास्पद टिप्पणी से उपजे वैश्विक इस्लामिक आक्रोश को भुनाने की फिराक में है। वह दिखाने का प्रयास कर रहा है कि अफगानिस्तान में तालिबान और अलकायदा ने भले ही विवादास्पद टिप्पणियों के खिलाफ निंदा की हो लेकिन बदला लेने में आईएस ही आगे रहा है। वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान की सत्ता में काबिज तालिबान की सत्ता को चुनौती देना भी इस हमले का मकसद रहा है। दरअसल वे तालिबान के उस दावे को खारिज करना चाहते हैं कि अफगानिस्तान में शांति व स्थायित्व लौट रहा है। कुल मिलाकर अफगानिस्तान में सत्ता में वर्चस्व और अतिवादी मुस्लिम सोच का प्रतिनिधित्व करने की दावेदारी की सोच भी हमले के मूल में रही है। इसके अलावा इस हमले के जरिये आईएस अपने विरोधी इस्लामिक अतिवादी संगठन अल-कायदा को भी ललकार रहा है कि मुस्लिमों के आराध्य के खिलाफ की टिप्पणियों पर उसने सिर्फ बयानबाजी की है, हमला करने का साहस आईएस ने ही जुटाया है। इससे पहले अलकायदा विवादित टिप्पणियों को लेकर तल्ख व तेज प्रतिक्रिया दे चुका था और भारत में हमले करने वालों को समर्थन देने में आगे रहा था। इस हमले के बाद इस्लामिक स्टेट खुरासान ने कहा कि ऐसा हमला होना चाहिए था, विवादित टिप्पणियों का यही जवाब भी है। वह बताना चाहता था कि कुछ अतिवादी संगठनों ने विवादित बयानों की आलोचना में तो तत्परता दिखाई, लेकिन कोई सीधी कार्रवाई नहीं की। बाकायदा आईएस की न्यूज एजेंसी अमक ने हमले की खबर ब्रेक की और इसकी जिम्मेदारी ली तथा बड़ी संख्या में हिंदू-सिखों को मारने का दावा किया। जिसकी संख्या को अफगानिस्तान के मुख्य मीडिया ने नकारा और बताया कि हमले में तीन ही लोग मारे गये। बाकायदा आईएस ने भारतीय अधिकारी के अफगानिस्तान दौरे का भी जिक्र किया। उल्लेखनीय है कि आईएस विगत में सिखों पर हमले करता रहा है। वर्ष 2018 और 2020 में सिखों पर आत्मघाती दलों ने हमले किये थे। तब दलील दी गई थी कि कश्मीर की घटनाओं की प्रतिक्रिया स्वरूप उसने ये हमले किये हैं। यूं तो आईएस भारत में बड़े हमले करने में नाकाम रहा था लेकिन कश्मीर में कुछ हमलों को अंजाम दिया था।

कृषि भूमि के बड़े जल संकट की आहट

मुकुल व्यास

अध्ययन बताते हैं कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के चलते करीब तीन दशक बाद कृषि सिंचाई जल का बड़ा संकट आएगा। ऐसे में शोधकर्ताओं ने वर्षा और सिंचाई जल की उपलब्धता का पूर्वानुमान लगाने के लिए नया सूचकांक विकसित किया जो उसकी कमी के कारण जान भविष्य की रणनीति बनाने में सहायक होगा। खेती के मौसम अनुरूप तरीके अपनाने होंगे। शोध यह भी कि ग्लोबल वार्मिंग से जैविक परत घटती रही तो अत्यधिक धूल वायुमंडल में पहुंचेगी। ग्लोबल वार्मिंग के वर्तमान रुझान जारी रहे तो दुनिया को कृषि क्षेत्र में भारी संकट का सामना करना पड़ सकता है। वैज्ञानिकों ने एक नए अध्ययन में चेतावनी दी है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जारी रहने पर 2050 तक दुनिया की 80 प्रतिशत कृषि भूमि के लिए सिंचाई के पानी का गहरा संकट पैदा हो जाएगा। अर्थ्स फ्यूचर पत्रिका में प्रकाशित एक नए अध्ययन में दुनिया में कृषि के लिए वर्तमान और भावी जरूरतों पर गौर किया गया है। यह पता लगाने का प्रयास किया गया है कि क्या भविष्य में उपलब्ध होने वाला वर्षा जल या सिंचाई का पानी जलवायु परिवर्तन की परिस्थितियों में कृषि की जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त होगा। ऐसा करने के लिए शोधकर्ताओं ने कृषि के दो स्रोतों, वर्षा जल और सिंचाई जल को मापने और उनकी उपलब्धता का पूर्वानुमान लगाने के लिए एक नया सूचकांक विकसित किया। वर्षा जल को हरा पानी कहा जाता है जबकि नदियों, झीलों और भूजल से मिलने वाले सिंचाई के पानी को नीला पानी कहा जाता है। यह पहला अध्ययन है जिसमें जलवायु परिवर्तन की वजह से हरे और नीले जल के वैश्विक संकट का अनुमान लगाने के लिए नए सूचकांक का प्रयोग किया गया है। पिछले 100 वर्षों के दौरान दुनिया की जनसंख्या बढ़ने के बाद कृषि के लिए पानी की मांग दोगुनी हो गई। प्रायः प्रत्येक महाद्वीप पर पानी की तंगी एक बड़ा मुद्दा है और यह खाद्य सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। इसके बावजूद पानी की कमी का अनुमान लगाने वाले अधिकांश मॉडल नीले और हरे पानी पर एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने में असफल रहे हैं। हरा पानी वर्षा जल का वह हिस्सा है जो पौधों के लिए मिट्टी में उपलब्ध है। वर्षा का अधिकांश पानी हरे पानी के रूप में उपलब्ध है लेकिन इसे अक्सर नजरअंदाज किया जाता है क्योंकि यह मिट्टी में अदृश्य रहता है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए इसे निकाला नहीं जा सकता। फसलों के लिए हरे पानी की उपलब्धता इस बात पर निर्भर करती है कि एक क्षेत्र में कितनी वर्षा होती है और कितना पानी बहने या वाष्पीकरण से बर्बाद हो जाता है। कृषि की तकनीकों, क्षेत्र में वनस्पति का आवरण, मिट्टी की किस्म और जगह के ढलान का भी इस पर असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन से जैसे-जैसे तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव होगा, बढ़ती हुई आबादी की जरूरतों को पूरा करने के कृषि के तौर-तरीकों में तेजी आएगी और फसलों के लिए हरे पानी की उपलब्धता में भी बदलाव होगा। नए सूचकांक से विभिन्न देशों को कृषि जल की उपलब्धता और उसकी कमी के कारणों का आकलन करने तथा भविष्य में पड़ने वाले अकालों के प्रभावों को कम करने की रणनीति विकसित करने में मदद मिलेगी। भविष्य में होने वाले संकट को देखते हुए खेती के ऐसे तौर-तरीकों को अपनाना पड़ेगा जो कृषि जल के संरक्षण में मदद करते हैं। जैसे खेतों में पलवार लगाना और जुताई के बगैर फार्मिंग को बढ़ावा देना। पलवार में फसलों के बेकार कचरे, पुआल, भूसी और सूखी पत्तियों आदि का प्रयोग खाली स्थानों को ढकने में किया जाता है। इससे मिट्टी और पोषक तत्वों का क्षरण रुकता है। जुताई के बगैर खेती से पानी को जमीन में प्रविष्ट करने के लिए बढ़ावा मिलता है। वर्षा के नए पैटर्न से तालमेल बैठा कर पौधों की रोपाई के समय में भी बदलाव किया जा सकता है। इस बीच, शोधकर्ताओं के एक अंतर्राष्ट्रीय दल ने मॉडलों के जरिए बताया है कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से पृथ्वी की जैविक परत की क्षति हो रही है और यदि क्षति जारी रही तो 2070 तक 15 प्रतिशत अधिक धूल वायुमंडल में पहुंच जाएगी। जैविक परत को बायोक्रस्ट भी कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने नेचर जियोसाइंस पत्रिका में बताया है कि यदि हमारी पृथ्वी गर्म होती रही तो जैविक परत कम होने के क्या परिणाम होंगे। मिट्टी की जैविक परत दरअसल भूमि का वह हिस्सा है जो शुष्क होता है लेकिन रेतीला नहीं होता। इस परत में कुछ खास किस्म के पौधे, जीवाणु और लाइकन होते हैं। सहजीवी के रूप में रहने वाले शैवाल और फफूंद को लाइकन कहा जाता है। आपस में मिल कर ये जीव मिट्टी की परत को इतना सख्त कर देते हैं कि मिट्टी वायुमंडल की तरफ उड़ नहीं पाती। शोधकर्ताओं का कहना है कि जैविक परत एक जीवित त्वचा की तरह है और दुनिया की करीब 12 प्रतिशत भूमि पर यह परत है। शोधकर्ताओं ने कहा कि वायुमंडलीय धूल चक्र में जैविक परत की महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद इसके बारे में अभी बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। अपने इस नए प्रयास में शोधकर्ताओं ने यह जानने की कोशिश की है कि जैविक परत क्या भूमिका अदा करती है और यदि पृथ्वी गर्म होती रही तो इस परत और धूल चक्र का क्या होगा। शोधकर्ताओं ने जैविक परत पर किए अध्ययन के आंकड़ों को दुनिया के जलवायु मॉडलों के साथ मिलाया। उन्होंने पता लगाया कि पृथ्वी की जैविक परतें इस समय हर साल करीब 700 टेराग्राम धूल को वायुमंडल में जाने से रोकती है। एक टेराग्राम में एक लाख करोड़ ग्राम होते हैं। यदि जैविक परत नहीं होती तो वायुमंडल में पहुंचने वाली धूल की मात्रा बहुत ज्यादा होती। जलवायु मॉडलों से पता चलता है कि ग्लोबल वार्मिंग जैविक परतों को कम करने की दिशा में बढ़ रही है और उसकी यही रफ्तार बनी रही तो 2070 तक वायुमंडल में वैश्विक धूल उत्सर्जन में 15 प्रतिशत की वृद्धि होगी। अभी यह नहीं मालूम कि धूल उत्सर्जन बढ़ने से संपूर्ण ग्रह पर क्या असर पड़ेगा और दुनिया के कौन से हिस्सों पर इसका सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ेगा। पिछली रिसर्च से पता चलता है कि वायुमंडल में मौजूद धूल सौर विकिरण को बिखेर देती है। बर्फ और बादल निर्माण में भी उसकी भूमिका होती है। धूल कण पोषक तत्वों को लंबी दूरियों तक ले जाते हैं और कुछ मामलों में ये धूल कण बैक्टीरिया और वायरसों के वाहक भी पाए गए हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अच्छाई का तत्काल उपयोग ही श्रेयस्कर

सीताराम गुप्ता

कई बार बाजार में बहुत अच्छी किस्म के फल दिखाई पड़ जाते हैं। हम फौरन वे फल खरीदकर ले आते हैं। घर पर आकर पता लगता है कि घर पर पहले ही कुछ फल रखे हैं और अगर उन्हें आज ही इस्तेमाल नहीं किया गया तो वे कल तक खराब हो जाएंगे। घर पर पहले से रखे पुराने फल इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन ताजा फलों को देखकर जो उत्साह मन में भर गया था वो ठंडा पड़ गया क्योंकि पहले से रखे हुए पुराने फल कुछ बासी हो जाने के कारण उतने स्वादिष्ट नहीं लगे। अगले दिन जब पिछले दिन खरीदे हुए आकर्षक व रसीले फलों के सेवन करने की बारी आई तो कुछ ढीले और दागी भी हो जाने के कारण उनका स्वाद भी थोड़ा बदल चुका था। प्रायः ऐसा ही होता रहता है जीवन में। प्रायः पुरानी चीजों अथवा खाद्य पदार्थों को बचाने के लोभ अथवा चक्कर में नई चीजों को भी पुराना करके इस्तेमाल करने को अभिशप्त होते हैं हम। इससे बचने का उपाय यही है कि हम ज्यादा चीजें न खरीदें। अन्यथा यह दुष्चक्र कभी नहीं टूटेगा। प्रायः यही स्थिति हमारी आदतों अथवा व्यवहार के विषय में होती है। हम बहुत कुछ नया और अच्छा सीखते रहते हैं लेकिन जब उसको जीवन में प्रयुक्त अथवा क्रियान्वयन करने का अवसर आता है तो हम प्रायः नई सीखी हुई अच्छी बातों की उपेक्षा करके पुरानी बातों को ही अपने व्यवहार में लाते रहते हैं। ऐसा करने के हमारे पास तर्क भी कम नहीं होते। मान लीजिए कि हमने अभी हाल ही में सीखा है कि हमें हर परिस्थिति में केवल सच बोलना है। जब सचमुच सच बोलने का अवसर आता है तो हम ये सोचकर या कहकर सच बोलने अथवा पूरा सच बोलने से पीछे हट जाते हैं कि लोग इतने अच्छे नहीं हैं कि उनके सामने सच बोला जाए या आज सच बोलने का समय नहीं रहा या सच बोलने वाले को लोग मूर्ख समझते हैं। प्रायः हम कहते अथवा सोचते हैं कि जब हमारा अच्छे लोगों से वास्ता पड़ेगा तभी हम अच्छा व्यवहार करेंगे अथवा अच्छी आदतों को व्यवहार में लाएंगे। हरेक व्यक्ति के सामने अच्छाई का प्रदर्शन करने का क्या फायदा? वास्तव में हम जो करते हैं वो दूसरों के लिए नहीं अपितु वह स्वयं हमारे लिए होता है। निःसंदेह नई सीखी हुई अच्छी बातों को व्यवहार में लाकर हम न केवल पुरानी गलत आदतों से मुक्त होकर अपने व्यक्तित्व को अधिकाधिक प्रभावशाली व आकर्षक बना सकते हैं अपितु संपर्क में आने वाले सभी व्यक्तियों का स्नेह व सहयोग भी प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन यह तभी संभव है जब हम जो भी अच्छी बातें सीखें उन्हें उसी समय से अपने व्यवहार में लाना प्रारंभ कर दें। अच्छी चीजों की एक विशेषता यह होती है कि खराब चीजों के साथ मिलकर वे भी खराब हो जाती हैं। अच्छी चीजें हों अथवा अच्छी आदतें उन्हें खराब चीजों अथवा गलत आदतों के साथ कभी नहीं मिलाना चाहिए या व्यवहार में लाना चाहिए अन्यथा उनके विकृत अथवा दूषित होने में देर नहीं लगेगी। दरअसल, अच्छी बातों को भी शीघ्र व्यवहार में न लाने पर कालांतर वे भी नकारात्मक विचारों के कचरे में दबकर रह जाती हैं, जिससे उन्हें जानने व सीखने का कोई लाभ नहीं मिलता। सही मायनों में नई बातों को सीखने का क्या लाभ यदि हम उन्हें अपने जीवन में लागू ही न कर पाएं? नई बातें जानने व सीखने में हम बहुत रुचि लेते हैं और उसके लिए हर प्रकार का त्याग भी करते हैं। यदि सीखी हुई बातों से लाभान्वित नहीं होंगे तो इस त्याग व प्रयास का कोई महत्व ही नहीं रह जाएगा। जहां तक बुरी आदतों अथवा व्यवहार का त्याग करने की बात है इससे किसी प्रकार की हानि की संभावना नहीं होती। दरअसल, यदि हम अच्छी व बुरी दोनों प्रकार की आदतों को व्यवहार में लाते रहें तो भी बात नहीं बनेगी। बुरी आदतों अथवा व्यवहार का खमियाजा तो हमें भुगतना ही पड़ेगा। यदि हम किसी आयोजन में जाते हैं तो अच्छे से अच्छे कपड़े पहनकर ही जाते हैं। यदि हमने बहुत महंगे व अच्छे कपड़े पहने हैं लेकिन एक या दो चीजें ठीक नहीं हैं तो शेष महंगे अच्छे कपड़ों का भी अच्छा प्रभाव नहीं पड़ेगा। अतः हमारे सारे कपड़े ही नहीं बल्कि जूते, टाई व अन्य सभी वस्तुएं भी उन्हीं के अनुरूप होनी चाहिए। हमें समग्र रूप से सब कुछ ठीक से करना होगा। हमें हर व्यक्ति से अच्छा व्यवहार करना होगा। हमें हर जगह व हर समय अच्छा प्रदर्शन करना होगा तभी बात बनेगी अन्यथा कुछ अच्छी बातें भी बेमानी होकर रह जाएंगी।

आज के कार्टुन

समान न्याय

श्रीराम शर्मा आचार्य/ भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परम्परा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दण्डनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के सन्दर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बन्द हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धान्त में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितान्त आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदण्ड से बचने के अनेक हथकण्डे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलम्बन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गयी है और दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षति पूर्ति करने को कहा गया है।

सू-दोकू नवताल -2146

	4		7					3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1					6		9	

सू-दोकू -2145 का हल

4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2146

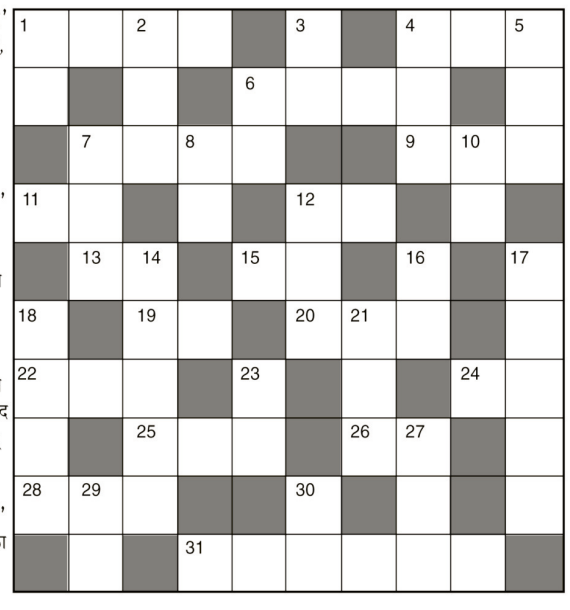

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-4
4. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-3
6. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-4
7. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-4
9. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-3
11. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-2
12. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-2
13. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-2
15. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-2
19. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-2
20. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-3
22. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-3
24. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-2
25. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-3
26. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-2
28. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-3
31. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-3,3

ऊपर से नीचेः-

12. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-3
14. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-2,3
16. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-2
17. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-3,2
18. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-4
21. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-3
23. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
27. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
29. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-2
30. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-2

फिल्म वर्ग पहेली-2145

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	रा		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		वे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	रा			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

1. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-2
2. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-3
3. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-2
4. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-3
5. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
6. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-2
7. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
8. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-2
10. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-2

अंतरराष्ट्रीय बाजार में घटे क्रूड ऑयल के दाम, कब मिल पाएगा सस्ता पेट्रोल-डीजल!

नई दिल्ली । पेट्रोल-डीजल के दामों में लगी कब कम होगी इसकी प्रतीक्षा हर आम आदमी को है। लेकिन अब अंतरराष्ट्रीय बाजार से सरकार और घरेलू तेल कंपनियों को इससे बेहतर खबर नहीं मिल सकती। तकरीबन साढ़े तीन महीने के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में नरमी का रुख आया है। पिछले चार दिनों में महंगे क्रूड की कीमत 119 डॉलर प्रति बैरल से घट कर 113 डॉलर से नीचे आ गई है। बाजार में जुलाई माह के लिए क्रूड के सौदे 109 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहे हैं जो इस बात की तरफ इशारा है कि अभी इसमें और कमी आएगी। लेकिन इस कमी का अभी आम जनता को फायदा होने की गुंजाइश नहीं है। अगर कमी का यह दौर यूं ही जारी रहे और क्रूड कम से कम तीन से पांच हफ्तों तक 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहे तब देश की तेल कंपनियां पेट्रोल व डीजल की मौजूदा खुदरा कीमत में कुछ राहत देने की स्थिति में होंगी। वैश्विक क्रूड बाजार का बेंचमार्क दिखाने वाले ब्रेंट क्रूड की कीमत सोमवार को 112.99 डॉलर प्रति बैरल थी। पिछले शुक्रवार को यह कीमत 119.16 डॉलर और पिछले सोमवार को 123.15 डॉलर प्रति बैरल थी। इस तरह से हफ्ते भर में गिरावट 7 फीसद से ज्यादा का है। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार की तेजी के लिए इस गिरावट को ही कारण बताया जा रहा है। क्रूड की कीमतों में गिरावट के लिए वैश्विक मंदी की आशंका मजबूत होने को एक बड़ा कारण बताया जा रहा है। खास तौर पर जिस तरह से अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने एक झटके में जिस तरह से 0.75 फीसद ब्याज दर बढ़ाने का फैसला किया है उससे मांग में कमी की संभावना जताई जाने लगी है। इससे क्रूड की मांग भी प्रभावित हो सकती है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि सिर्फ दो-चार दिनों की गिरावट के आधार पर देश में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। आम जनता को राहत तभी मिलेगी जब लंबे समय तक क्रूड की कीमतें 100 डॉलर से नीचे रहें। मई, 2022 में केंद्र सरकार की तरफ से पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती करने के बावजूद तेल कंपनियों का कहना है कि उन्हें लागत से पेट्रोल को 9 रुपये प्रति लीटर कम और डीजल 15 रुपये प्रति लीटर कम बेचना पड़ रहा है। यह अंतर तभी पटेगा जब क्रूड की कीमतें और तेजी से नीचे आए। उम्मीद की किरण जुलाई के लिए क्रूड के होने वाले वायदा कारोबार में दिख रही है। विश्व के बड़े क्रूड एक्सचेंज में जुलाई के लिए क्रूड की कीमत 109 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) ने चेतावनी दी है कि वैश्विक मांग की स्थिति को देखते हुए एनर्जी उत्पादों की मौजूदा कीमत को ऊंचे स्तर पर बना कर नहीं रखा जा सकता। क्रूड बाजार का मिजाज आने वाले हफ्तों व महीनों में बहुत कुछ आपूर्ति से भी तय होगा। देखना होगा कि रूस किस हद तक कच्चा तेल व गैस उत्पादन बढ़ाने व इसकी आपूर्ति करने में सफल रहता है। घरेलू बाजार में देखें तो 22 मई, 2022 के बाद से पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है। तब उत्पाद शुल्क में कटौती की वजह से दिल्ली में एक दिन में पेट्रोल 105.41 रुपये से घट कर 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 96.67 रुपये प्रति लीटर से घट कर 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गई थी।

एआईएफएफ के संचालन में मदद के लिए सीओए ने गठित की सलाहकार समिति

नई दिल्ली । देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संचालन में मदद करने के लिए उद्योगपति रंजीत बजाज के नेतृत्व में 12 सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन किया है। यह समिति महासंघ के दैनिक कार्यों की देखरेख करने के साथ सीओए को नियमित रिपोर्ट भेजेगी और अगर जरूरत हुई तो उनसे अनुमोदन भी लेगी। बजाज आई-लीग क्लब मिनर्वा पंजाब को 2020 में राउंड ग्लास को बेचे जाने से पहले इसके मालिक थे। न्यायालय द्वारा समय पर चुनाव नहीं कराने पर प्रफुल्ल पटेल के नेतृत्व वाले पदाधिकारियों को हटाने के बाद सीओए ने पिछले महीने एआईएफएफ का कार्यभार संभाला था। पटेल ने एआईएफएफ प्रमुख के रूप में अपने 12 साल के कार्यकाल को पार कर लिया था। सीओए को राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुरूप एआईएफएफ संविधान में संशोधन करने और चुनाव कराने का काम सौंपा गया है। विश्व फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा और इसकी एशियाई इकाई एएफसी की सात सदस्यीय संयुक्त टीम गतिरोध का समाधान खोजने में मदद करने के लिए भारत के दौरे पर है।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

मुंबई ।
मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी कंपनियों के शेयरों में जमकर खरीददारी से आया है। इससे पहले सुबह भी बाजार बढ़त के साथ खुला। समय के साथ ही बाजार की यह बढ़त तेज होती गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 934.23 अंक करीब 1.81 फीसदी बढ़कर 52,532.07 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 288.65 अंक करीब 1.88 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,638.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, एसबीआई, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, डॉ रेड्डीज, टाटा स्टील, विप्रो, इंफोसिस, आईटीसी और टेक महिंद्रा के शेयरों में बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर केवल नेस्ले इंडिया के शेयर में गिरावट दर्ज की गयी। आज सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान पर बंद हुए। आईटी, मेटल, ऑयल एंड गैस, पावर, रियल्टी, बैंक में 3 से 6 फीसदी की तेजी देखने को मिली। बीएसई मिडकैप 2.4 फीसदी और स्मॉल कैप 3 फीसदी बढ़ते के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में भी तेजी रही।

सोने में गिरावट, चांदी में तेजी

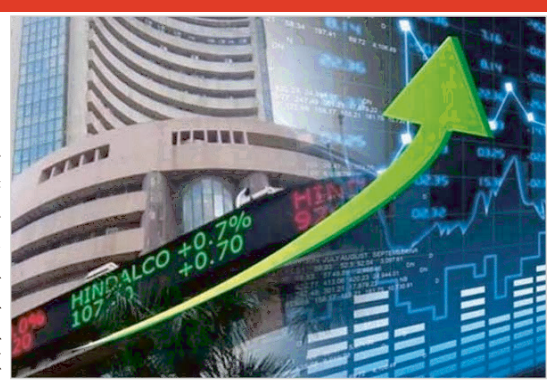

नई दिल्ली ।
घरेलू बाजार में सोने की कीमतें गिरी हैं जबकि चांदी में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 24 रुपये नीचे आकर 50,686 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 50,710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत 13 रुपये बढ़कर 60,609 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी का भाव 60,596 रुपये प्रति किलोग्राम रहा था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी 1,837 डॉलर और 21.66 डॉलर प्रति औंस पर बना हुआ है।

घरेलू मेट्रो परियोजनाओं से देश की निर्माण कंपनियों के लिए सृजित होंगे 80,000 करोड़ रुपये के कारोबार

नई दिल्ली ।

देश की आधारभूत घरेलू मेट्रो रेल परियोजनाओं से देशके निर्माण कार्यों से जुड़ी कंपनियों के लिए अच्छे कारोबारी अवसर पैदा होंगे। बाजार की एक रेटिंग एजेंसी ने संभवना जताई कि अगले पांच साल में 80,000 करोड़ रुपये मूल्य के कारोबार अवसर सृजित होंगे। देश के 15 शहरों में मेट्रो रेल परिचालन में है। इसकी कुल लंबाई करीब 746 किलोमीटर है और इनमें से ज्यादातर परियोजनाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसके अलावा सात अन्य शहरों में मेट्रो परियोजनाएं निर्माणधीन हैं जिनकी लंबाई करीब 640 किलोमीटर है। इसके साथ ही 2,000 अरब रुपये की 1,400 किलोमीटर की मेट्रो रेल परियोजनाएं मंजूरी/प्रस्ताव के चरण में हैं। इसमें से 352 किलोमीटर के नये मेट्रो नेटवर्क को मंजूरी दी गई है। शेष अभी प्रस्ताव के स्तर पर हैं। मेट्रो रेल परियोजनाओं के विस्तार से निर्माण क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के लिये अगले पांच साल में 80,000 करोड़ रुपये के कारोबार के अवसर सृजित होंगे। सर्वे से जुड़े अभिषेक गुप्ता ने कहा, 'सरकार बुनियादी ढांचे पर जोर दे रही है। ऐसे में अगले पांच साल में मेट्रो रेल नेटवर्क में 2।7 गुना विस्तार होने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा, 'आम तौर पर मेट्रो रेल विकास की लागत एलिवेटेड मेट्रो के मामले में 280-320 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर के बीच होती है। जबकि भूमिगत मेट्रो नेटवर्क के मामले में लागत बहुत अधिक हो सकती है।' गुप्ता ने कहा कि कुल लागत में 'सिविल' निर्माण की हिस्सेदारी 35-45 प्रतिशत है। मेट्रो परियोजनाओं के वृहत आकार को देखते हुए यह अगले पांच साल में निर्माण क्षेत्र की कंपनियों के लिए बड़े अवसर प्रदान कर सकती है।

28 व 29 जून को जीएसटी काउसिंल की बैठक, कई बदलावों पर चर्चा की संभावना

नई दिल्ली ।

चंडीगढ़ में 28 व 29 जून को जीएसटी काउसिंल की बैठक होने वाली है। इस बैठक में कई बदलावों पर चर्चा की संभावना है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि जीएसटी काउंसिल ई-कॉमर्स सप्लायर्स के लिए नियमों को आसान कर सकती है। इसके अलावा काउंसिल कमियों को दूर करने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का अधिकार भी दे सकती है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार बैठक में राष्ट्रीय मुनाफाखोरी रोधी प्राधिकरण (एनएए) और अब तक लंबित मामलों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। संभावना है कि सरकार ने बैठक में यह भी बताएगी कि एनएए ने हाईकोर्ट्स में मामलों को डिफेंड करने के लिए सॉलिसिटर जनरल और वकीलों का पैनल नियुक्त किया है। इसके अलावा जिन कोर्ट्में एनएए के खिलाफ फैसला आया है, तब उस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने के लिए वकीलों की एक टीम नियुक्त की गई है।

मोदी सरकार ये साल खत्म होने तक एनएए को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) में मिला सकती है। इस विलय के बाद एनएए के सभी लंबित मामलों कि निगरानी, जांच व फैसले संबंधी अधिकार सीसीआई के पास आ जाएंगे। खबरों के अनुसार, एनएए के पास अभी 400 मामले लंबित हैं। जीएसटी काउंसिल की बैठक में कई गैर-बीजेपी शासित राज्य मुआवजा विस्तार की मांग कर सकते हैं। दरअसल, जीएसटी से राज्यों को होने वाली घाटे की भरपाई 5 साल तक केंद्र को करनी थी, वे 5 साल 2022 में पूरे हो रहे हैं। खबर के अनुसार, बीजेपी समर्थित राज्य तमिलनाडु और बिहार भी इस मांग को समर्थन दे सकते हैं। ये बैठक लिहाज से भी अहम कि 1 जुलाई 2022 को जीएसटी कार्यान्वयन के 5 साल भी पूरे हो रहे हैं। जीएसटी काउंसिल की बैठक केंद्रीय वित्त मंत्री की अगुआई में होती है। इसमें राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होते हैं। यह जीएसटी काउसिंल की 47वीं बैठक है। इस अप्रैल में होना था लेकिन वित्त निर्मला की व्यस्तता के कारण स्थगित कर दिया गया था।

भारत ने साल 2021 में कुल 75 टन सोना रिसाइकिल किया, दुनिया में चौथे नंबर पर

नई दिल्ली ।
कोराना महामारी से प्रभावित साल 2021 में भारत ने कुल 75 टन सोना रिसाइकिल किया है। विश्व स्वर्ण परिषद (डल्ब्यूजीसी) ने रिपोर्ट में बताया कि भारत सोना साइकिल करने के मामले में चौथे स्थान पर आ गया है।

डल्ब्यूजीसी के अनुसार, बीते साल गोल्ड रिफाइनिंग और रिसाइकिलिंग में सबसे आगे चीन रहा, जिसने कुल 168 टन सोने का इस्तेमाल किया! दूसरे पायदान पर इटली और तीसरे पर अमेरिका रहा। इटली ने साल 2021 में 80 टन और अमेरिका ने 78 टन सोना रिसाइकिल किया। भारत ने गोल्ड रिसाइकिलिंग और रिफाइनिंग में काफी तेज छलांग लगाई है। 2013 में जहां भारत की क्षमता सिर्फ 300 टन की थी, वहीं अब बढ़कर 1,500 टन पहुंच गई है। यानी हमारी रिफाइनरी क्षमता में एक दशक के भीतर तीन गुने का इजाफा हुआ है।

मोदी सरकार की ओर से नियम कड़े होने के बाद गोल्ड की रिफाइनिंग ज्यादा बेहतर तरीके से होने लगी है। इसमें फॉर्मल सेक्टर की संख्या बीते साल 33 पहुंच गई है, जो साल 2013 में सिर्फ 5 थी। इनफॉर्मल सेक्टर की हिस्सेदारी फिलहाल 300 से 500 टन है। वैसे यह काफी ज्यादा है, लेकिन पूर्व की स्थिति को देखा जाए, तब प्रदूषण नियमों के सख्त करने के बाद सोने का अवैध व्यापार काफी रुक गया है। भारतीय गोल्ड रिफाइनिंग क्षेत्र को मजबूती देने में टैक्स के बेहतर ढांचे का भी अहम योगदान है। सरकार ने कच्चे सोने पर आयात शुल्क रिफाइंड सोने से अलग बना दिया है। इसके बाद रिफाइंड सोने का निर्यात और बढ़ गया है। इस मांग की आपूर्ति के लिए कच्चे सोने के आयात में भी तेजी आई है। 2013 में जहां भारत के कुल आयात में कच्चे सोने की हिस्सेदारी 7 फीसदी थी, वहीं अब यह बढ़कर 22 फीसदी पहुंच गई है। डल्ब्यूजीसी के रीजनल सीईओ (भारत) सोमासुंदरम पीआर ने कहा कि भारत अपने बुलियन क्षेत्र में नवीन सुधारों को लागू करे, तब रिफाइनिंग क्षेत्र में कहीं आगे निकल सकता है।

गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम के जरिये सरप्लस गोल्ड को बाजार में लाए जाने की जरूरत है। इससे बाजार में सोना सस्ता होगा और इसकी मांग बढ़ेगी। इस तरह रिफाइनिंग की क्षमता में भी विस्तार होगा।

आकाश एयर ने पहले विमान बोइंग 737 मैक्स विमान की आपूर्ति ली

मुंबई । दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला द्वारा प्रवर्तित आकाश एयर का पहला बोईंग 737 मैक्स विमान मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचा। इसके साथ ही कंपनी परिचालन शुरू करने के लिए जरूरी एयर परिचालन परमिट हासिल करने के करीब पहुंच गई है। आकाश एयर ने कहा कि एयरलाइन को अमेरिका के सिएटल में 15 जून को विमान की औपचारिक चाबियां मिली थीं। आकाश एयर ने पिछले नवंबर में बोइंग को 72 बोइंग 737 मैक्स विमानों का ऑर्डर दिया था, जिसमें से यह पहली आपूर्ति है। आकाश एयर के संस्थापक, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दुबे ने कहा कि एयरलाइंस ने आज अपने पहले बोइंग 737 मैक्स विमान का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर स्वागत किया।

सेबी की दो टूक, कोई भी म्यूचुअल फंड हाउस बंडल्ड इंश्योरेंस प्रोडक्ट नहीं बेचेगा

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति नियामक बोर्ड (सेबी) ने भारत में म्यूचुअल फंड्स के संगठन को निर्देश दिया है कि कोई भी म्यूचुअल फंड हाउस बंडल्ड इंश्योरेंस प्रोडक्ट नहीं बेचेगा। सेबी ने संगठन को सूचना सभी एमएफ प्रोवाइडर्स तक पहुंचाने को कहा है। बंडल प्रोडक्ट्स नहीं बेचने से तात्पर्य है कि कोई म्यूचुअल फंड योजना के साथ कोई और प्रोडक्ट या बेनेफिट नहीं बेचा जाएगा। गौरतलब है कि म्यूचुअल फंड कंपनियां निवेशकों से लंबी अवधि का निवेश कराने के लिए इंश्योरेंस दे रही थीं। एक दशक से अधिक समय से म्यूचुअल फंड हाउस सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के साथ बंडल इंश्योरेंस की पेशकश कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड निवेश में रिटर्न जमा राशि और अवधि पर निर्भर करता है। इसके बाद में कई फंड हाउस लुभावने बंडल प्रोडक्ट्स के बदले फंड की अवधि में बदलाव करते हैं। फंड उन्हीं लोगों को ये अतिरिक्त बेनेफिट देते हैं जो अवधि बदलाव वाली शर्त को मानते हैं। आमतौर पर 3 साल में जमा राशि एसआईपी अमाउंट का 100 से 120 अधिक हो जाती है। कुछ फंड टारगेट सम एश्योर्ड राशि की पेशकश करते थे जो डेथ बेनेफिट को कम कर देता था। ज्यादातर मामलों में, इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में लगी एसआईपी इंश्योरेंस बेनेफिट के पात्र होते थे। हालांकि, यह इंश्योरेंस निवेशक की 55 साल की उम्र, एसआईपी मेच्योरिटी या एसआईपी कैंसल होने पर खत्म होगा। कई मामलों में इंश्योरेंस एसआईपी शुरू करने के तुरंत बाद ही लागू हो जाता था। लेकिन अगर एसआईपी शुरू करने के 2 साल के अंदर कोई निवेशक आत्महत्या कर लेता है, तब इंश्योरेंस लागू नहीं होता था. जीवन बीमा प्रदान करने की लागत परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां वहन करती थीं। निप्पोन इंडिया, एक्सिस, डीएसपी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, आदित्य बिड़ला ग्रुप, सनलाइफ, पीजीआईएम ने एसआईपी के साथ बीमा पॉलिसी ऑफर की थी। हालांकि, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने अब यह स्कीम बंद कर दी है। अभी तक यह साफ नहीं है कि क्या म्यूचुअल फंड कंपनियों को यह सेवा उन लोगों के लिए भी बंद करनी होगी जिन्हें इस आदेश से पहले दी जा चुकी है। बता दें कि आदेश 17 जून को जारी हुआ था।

कपड़ा उद्योग के गले की फांस बनी टैक्स और लेवी छूट योजना, निर्यातकों के लिए उल्टा पड़ा दांव

मुंबई ।
केंद्र सरकार ने 2019 में लागू राज्य और केंद्रीय करों व लेवी से छूट (आरओएससीटीएल) योजना में बदलाव करते हुए इसे 2024 तक बढ़ा दिया है। वैसे तो यह योजना घेरलू कपड़ा उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने और वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए लाई गई थी, लेकिन भारतीय कपड़ा निर्यातकों का कहना है कि अब योजना उनके गले की फांस बन गई है।

अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के सदस्य और गारमेंट एक्सपोर्ट मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय जिंदल ने कहा कि योजना में बदलाव से कपड़ा निर्यातकों के सामने कई कठिनाइयां खड़ी हो गई हैं। इससे देश के कपड़ा उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा और लगभग 30 लाख लोगों के रोजगार पर असर पड़ सकता है। भारत अभी करीब 16 अरब डॉलर के परिधान एवं वस्त्र का निर्यात करता है। लेकिन, आरओएससीटीएल योजना में हुए बदलाव का लाभ निर्यातकों के बजाए विदेशी आयातकों को ज्यादा मिल रहा है। विजय जिंदल ने कहा यह योजना निर्यातकों द्वारा इनपुट पर पहले से भुगतान किए गए करों, लेवी आदि से छूट प्रदान करती है, लेकिन इस छूट को उन स्क्रिप में बदल दिया गया जो व्यापार योग्य हैं। निर्यातक अपने आयातकों को यह स्क्रिप बेच सकते हैं। आयातक बदले में नकद आयात शुल्क भुगतान के विकल्प के रूप में इन खरीदी गई स्क्रिपों से शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

इनकी बिक्री पहले भी डिस्काउंट पर होती थी, लेकिन अब यह डिस्काउंट 3 से बढ़कर 20 फीसदी हो गया है। स्क्रिप पर इस डिस्काउंट से आयातक, निर्यातकों की कीमत पर अनुचित लाभ उठा रहे हैं। कुल 16 अरब डॉलर के कपड़ा निर्यात में 5 फीसदी रीइंबर्समेंट होता है जो लगभग 6,000 करोड़ रुपये बनता है। व्यापक स्तर पर इस पर 20 फीसदी का डिस्काउंट चल रहा है, जिससे परिधान क्षेत्र के कमजोर मार्जिन पर लगभग 1,500 करोड़ रुपये का सीधा असर पड़ रहा है। जिंदल ने कहा कि अगर सरकार इस संरचना में तुरंत बदलाव नहीं करती है तो उद्योग अपनी प्रतिस्पर्धा की बढ़त खो सकता है।

आईआरडीएआई कर रहा विचार, जीवन बीमा कंपनियां जल्द हेल्थ इंश्योरेंस भी दे सकेंगी

नई दिल्ली । जीवन बीमा कंपनियां जल्द हेल्थ इंश्योरेंस भी दे सकेंगी। सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। इससे बीमा प्रीमियम में कमी आने और अधिक लोगों तक इस पहुंच बढ़ने की संभावना है। इंश्योरेंस रेगुलेटर आईआरडीएआई पिछले कई हफ्तों से इस पर विचार कर रहा है। अगर बीमा कंपनियों को हेल्थ इंश्योरेंस बेचने की अनुमति मिलती है, वह दोनों इंश्योरेंस को एक साथ मिलाकर बेच सकती हैं। जीवन बीमा कंपनियों के हेल्थ इंश्योरेंस के क्षेत्र में उतरने से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और इसका सीधा लाभ ग्राहकों को होगा। उन्हें कम प्रीमियम पर हेल्थ प्लान मिल सकेगा। फिलहाल 18-50 वर्ष के निरोग व्यक्ति के लिए 2 लाख रुपये का एक औसत मेडिक्लेम पॉलिसी का वार्षिक प्रीमियम 5,000-7000 रुपये होता है। अगर आईआरडीएआई इस प्लान को मंजूरी देता है, तब इस प्रीमियम में 5-10 फीसदी की कमी देखने को मिल सकती है।

अगर आईआरडीएआई इसकी अनुमति देती है, तब इसका सबसे ज्यादा फायदा एलआईसी जैसी कंपनियों को होगा। संभव है कि एलआईसी के शेयरों में इसके बाद तेजी देखने को मिले। जीवन बीमा क्षेत्र में भारत में एलआईसी का मार्केट शेयर सबसे अधिक है। इसके बाद वह अपने पुराने ग्राहकों को ही हेल्थ भी जीवन बीमा के साथ क्लब करके दे सकती है। फिलहाल बीमा कंपनियां केवल फिक्स्ड बेनिफिट हेल्थ प्लान ही बेचती हैं। जिसमें क्लेम करने वाले को वह राशि मिलती है जो उसके द्वारा जमा की गई रकम का सम इंश्योर्ड होती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार, भारत में जीवन बीमा पॉलिसी 2020 में 3.2 फीसदी थी. जब गैर-जीवन बीमा पॉलिसी केवल 1 फीसदी थी। इसमें हेल्थ इंश्योरेंस, मोटर इंश्योरेंस और इंडस्ट्रियल इंश्योरेंस भी शामिल है। यह 4.1 फीसदी की वैश्विक औसत से काफी कम है। हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमिय में हालांकि तेजी देखने को मिली है। 2022 में इसका कुल प्रीमियम 58572 करोड़ रुपये से बढ़कर 73330 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। 2016 में आईआरडीएआई ने जीवन बीमा कंपनियों के हेल्थ इंश्योरेंस बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया था। वह सिंगल या ग्रुप कोई हेल्थ पॉलिसी नहीं बेच सकते। हालांकि, बाद में एक कमेटी ने जीवन बीमा कंपनियों को भी हेल्थ इंश्योरेंस बेचने देने की सिफारिश की।

एएमसी के लिए फिर खुले विदेशी बाजार के दरवाजे, सेबी ने दी फॉरेन स्टॉक्स में निवेश की अनुमति

नई दिल्ली । एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसीज) के लिए एक अच्छी खबर है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने एएमसीज को एक बार फिर से विदेशी स्टॉक्स में निवेश की अनुमति दे दी है। विदेशी स्टॉक्स में निवेश के लिए नियमों में थोड़ा बदलाव जरूर किया गया है। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की विदेशी फंडों में निवेश की 7 बिलियन डॉलर की लिमिट में बढ़ोतरी होने की आस अभी भी पूरी नहीं हुई है।

एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के पास 1 फरवरी 2022 को जितना इंटरनेशनल एसेट का मैनेजमेंट कर रही थी, उस सीमा तक ही वे अब अंतरराष्ट्रीय स्टॉक में निवेश कर पाएंगे। इसका मतलब यह हुआ कि अंतरराष्ट्रीय स्टॉक्स में करेक्शन या रिडेंपशन्स के कारण उनकी एयूएम में जो कमी आई है, उसकी भरपाई अब वे नई इनवेस्मेंट के जरिए कर पाएंगी। उदाहरण के लिए अगर किसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने इंटरनेशनल स्टॉक्स में 1 फरवरी 2022 तक 100 रुपए का निवेश किया था और अब उसकी एयूएम 80 रुपए रह गई है तो नए नियमों के तहत वह 20 रुपये और निवेश कर सकती है।

कोटक महिंद्रा एएमसी के एमडी नीलेश शाह ने इस कदम को सही दिशा में उठाया उचित कदम बताया है। उनका कहना है कि फरवरी 2022 के मुकाबले अब स्टॉक्स बहुत कम वैल्यूएशन पर उपलब्ध हैं। सेबी के एएमयू को विदेशी शेयरों में निवेश की अनुमति देने से अब वे कम मूल्य पर शेयर खरीद सकेंगे। नीलेश शाह का कहना है कि सेबी ने एक तरह से यह विदेशी निवेश सीमा में अप्रत्यक्ष बढ़ोतरी ही कर दी है।

इस साल फरवरी में भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अंतरराष्ट्रीय स्टॉक्स में निवेश 7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। इसके बाद बहुत सी एएमसीज ने अंतरराष्ट्रीय फंडों में नया निवेश बंद कर दिया था। आनंद राठी वेल्थ के डिप्टी सीईओ इरोज अज़ीज का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्टॉक्स में निवेश का परमानेंट माध्यम एलआरएस है। बहुत से एचएनआई म्युचुअल फंड के सहारे एलआरएस लिमिट से ज्यादा निवेश विदेशी स्टॉक्स में कर रहे थे। जहां तक रिटेल इनवेस्टर का सवाल है तो सेबी द्वारा उठाया गया यह कदम काफी अच्छा है।

यह फंड मैनेजर को वर्तमान परिस्थितियों के कारण कम वैल्यूएशन वाले शेयरों को अपने पोर्टफोलियो में शामिल करने का मौका देगा।

हार्दिक पांड्या को मिलेगी एक और बड़ी जिम्मेदारी,

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भी सौंपी जा सकती है कप्तानी

मुंबई (एजेंसी)।

हाल के कुछ महीनों में ऐसा लग रहा है कि हार्दिक पांड्या के लिए सब कुछ बेहतर जा रहा है। पहले अचानक उन्हें आईपीएल में गुजरात टाइटंस का कप्तान बना दिया गया। कई सवाल भी पूछे गए। लेकिन हार्दिक पांड्या ने आईपीएल का खिताब जीतकर सभी आलोचकों को करारा जवाब दिया। इसके बाद उनकी टीम इंडिया में वापसी भी होती है। उन्होंने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों से शानदार प्रदर्शन किया है। इन सबके बीच आयरलैंड दौरे पर जाने वाली टीम इंडिया का कप्तान भी हार्दिक पांड्या को बनाया गया है। यानी कि हार्दिक पांड्या पहली बार टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे। हार्दिक पांड्या के ही नेतृत्व में आयरलैंड के खिलाफ टीम इंडिया दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी।

टीम इंडिया इंग्लैंड में ट्वेंटी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 7 जुलाई से होगी। हालांकि 1 जुलाई से लेकर 5 जुलाई के बीच भारत और इंग्लैंड के खिलाफ पांचवा टेस्ट मैच खेला जाएगा। ऐसे में माना जा रहा है कि 7 जून को शुरू होने वाली टी-20 सीरीज में हार्दिक पांड्या को कप्तानी सौंपी जा सकती है। क्योंकि टीम के दिग्गज खिलाड़ियों को टेस्ट से ञ्च20 के मोड में आने में वक्त लग सकता है। ऐसे में आयरलैंड दौरे पर गई टीम को ही इंग्लैंड के खिलाफ भी चुना जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो हार्दिक पांड्या के सिर एक बार फिर से कप्तानी का ताज सजेगा। हालांकि अभी तक इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान नहीं हुआ है। लेकिन माना जा रहा है कि जल्द ही टीम का ऐलान कर दिया जाएगा।

भारत के इंग्लैंड दौरे की बात करें तो 1 से 5 जुलाई के बीच के पांचवा टेस्ट मैच खेला जाएगा। जबकि 7 जुलाई को पहला टी 20 मैच खेला जाएगा। दूसरा ञ्च20 मैच 9 जुलाई को खेला जाएगा। तीसरा ञ्च20 मैच 10 जुलाई को होगा। 12 जुलाई को पहला वनडे, 14 जुलाई को दूसरा वनडे जबकि तीसरा वनडे 17 जुलाई को मैनचेस्टर में खेला जाएगा। वनडे सीरीज में विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की वापसी हो सकती है। लेकिन टी-20 सीरीज में इन खिलाड़ियों का खेलना अभी भी तय नहीं है। आपको बता दें कि हाल में ही संपन्न हुई दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में रोहित शर्मा के अनुपस्थिति में केएल राहुल को कप्तानी सौंपी गई थी। हालांकि केएल राहुल सीरीज से पहले ही चोटिल हो गए। जिसके बाद ऋषभ पंत ने इस श्रृंखला में टीम इंडिया की कप्तानी की।

डेढ़ साल बाद फिर रिंग में वापसी करेंगे विजेंदर

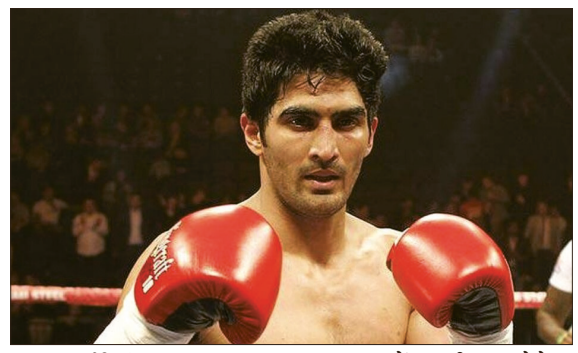

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्टार पेशेवर मुक्केबाज विजेंदर सिंह डेढ़ साल बाद एकबार फिर रिंग में मुकाबला करते हुए दिखेंगे। उन्होंने देश में अंतिम मुकाबला मार्च 2021 में खेला था। अब तक अपने सभी पेशेवर मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विजेंदर अब अगस्त में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रमबल इन द जंगल मुकाबले में उतरेंगे। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता विजेंदर ने साल 2015 में पेशेवर मुक्केबाज बनने के बाद से ही 8 नॉकआउट सहित 12 मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। रायपुर में पहली बार पेशेवर मुक्केबाजी स्पर्धा होने जा रही है। विजेंदर ने कहा, 'यह राज्य के लोगों के सामने इस खेल को पेश करने का अच्छा अवसर है। उम्मीद करता हूं कि इससे नई पीढ़ी के मुक्केबाज प्रेरित होंगे।' उन्होंने कहा, कि मैं अभी मैनचेस्टर में अभ्यास कर रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि अगस्त में अपना अजेय अभियान दोबारा शुरू करूंगा। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में होने वाले विजेंदर के इस पेशेवर मुकाबले के दौरान कुछ अन्य मुक्केबाजों के मुकाबले भी होंगे। इससे पहले उन्होंने गोवा, जयपुर, मुंबई और 2 बार नई दिल्ली में पेशेवर मुकाबला खेला था।

अश्विन को हुआ कोरोना, भारतीय टीम के साथ नहीं जा पाए इंग्लैंड

बेंगलुरू। (एजेंसी)।

भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का कोविड-19 के लिये किया गया परीक्षण पॉजिटिव आया है जिसके कारण वह एक से पांच जुलाई के बीच एजबेस्टन में होने वाले टेस्ट मैच के लिये टीम के साथ इंग्लैंड नहीं जा पाये। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को यह जानकारी दी। अश्विन अभी पृथकवास पर हैं और प्रोटोकॉल से जुड़ी सभी जरूरतों को पूरा करने के बाद ही टीम में शामिल होंगे। भारतीय टीम के बाकी खिलाड़ी 16 जून को इंग्लैंड के लिये रवाना हुए थे।

बीसीसीआई के सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''अश्विन ने टीम के साथ ब्रिटेन की यात्रा नहीं की है क्योंकि टीम के रवाना होने से पहले कोविड -19 के लिये किया गया उनका परीक्षण पॉजिटिव आया है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हमें उम्मीद है कि वह एक जुलाई से टेस्ट मैच शुरू होने से पहले ठीक हो जाएंगे। हालांकि उनका लीसेस्टरशर के खिलाफ अभ्यास मैच में खेलना संदिग्ध है।''

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद अश्विन टेस्ट मैच की तैयारी के सिलसिले में तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) लीग के लंबी अवधि के प्रारूप के एक मैच में खेले थे जहां उन्होंने 20 ओवर किये थे। भारतीय टीम गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ की निगरानी में लीस्टर में अभ्यास कर रही है। मुख्य कोच राहुल द्रविड़, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला समाप्त होने के बाद लंदन पहुंचे। वे मंगलवार को लीस्टर जाएंगे।

आईसीसी महिला रैंकिंग : स्मृति मंधाना में आठवें स्थान पर बरकरार, झूलन खिसकी

दुबई (एजेंसी)।

भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मंगलवार को जारी नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय महिला रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में आठवें स्थान पर बरकरार हैं जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को गेंदबाजों की सूची में एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है। इस साल नौ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 411 रन बनाने वाली 25 साल की मंधाना बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। मंधाना ने विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक भी जड़ा था। बल्लेबाजी रैंकिंग में आस्ट्रेलिया की एलिसा हीली शीर्ष पर हैं जबकि उनके बाद इंग्लैंड की नताली स्कीवर का नंबर आता है। झूलन गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से छठे स्थान पर हैं। झूलन ने इस साल अब तक नौ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 12 विकेट चटकाए हैं। झूलन को दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज अयाबोंगा खाका ने पछाड़ा जिन्होंने आयरलैंड के खिलाफ अपनी टीम के क्लीन स्वीप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन और दक्षिण अफ्रीका की जेन जोनासेन गेंदबाजों की सूची में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। आलराउंडरों की सूची में भारत की दीप्ति शर्मा सातवें स्थान पर बनी हुई हैं।

फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेट एसोसिएशन की पहली महिला अध्यक्ष बनीं लिसा

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लिसा स्टालेकर फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेट एसोसिएशन (एफआईसीए) की पहली महिला अध्यक्ष बनी हैं। स्विट्जरलैंड के न्योन में आयोजित एफआईसीए कार्यकारी समिति की बैठक में लिसा के अध्यक्ष बनने पर सहमति बनी। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज बैरी रिचर्ड्स, वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर जिमी एडम्स और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर विक्रम सोलंकी एफआईसीए अध्यक्ष रहे थे। 42 साल की लिजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 187 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। लिजा को साल 2007 और साल 2008 में सर्वश्रेष्ठ महिला अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी का बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार भी मिला था।

वेर्स्टाप्पेन ने कनाडा ग्रां प्री फार्मूला वन रेस जीती

ओटावा । रैड बुल टीम के मैक्स वेर्स्टाप्पेन ने कनाडा ग्रां प्री फार्मूला वन रेस जीती है। वेर्स्टाप्पेन ने पोल पोजीशन से शुरुआत करते हुए अंत तक बढ़त बनाए रखी और कार्लोस सैन्ज जूनियर को पीछे छोड़कर 25 अंक हासिल करने के साथ ही पहली बार कनाडा ग्रां प्री जीती है। इससे उन्होंने अंकतालिका में रैड बुल के अपने साथी और दूसरे नंबर पर काबिज सर्जियो पेरेज पर 46 अंक की बढ़त बनायी थी। वेर्स्टाप्पेन के बाद फरारी के कार्लोस सेंज दूसरे जबकि मर्सिडीज के लुईस हैमिल्टन तीसरे स्थान पर रहे। वेर्स्टाप्पेन के कारण रैड बुल टीम अंकतालिका में लगातार शीर्ष पर बनी हुई है। इस सत्र में उनके 304 अंक हैं जबकि फरारी 228 अंकों के साथ दूसरे वहीं मर्सीडिज 188 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है। मैक्लेरेन (65), एल्पाइन (57), अल्फा रोमियो (51), अल्फा टोरी रैड बुल (27), एस्टन मार्टिन मर्सीडिज (16), हास फरारी (15) और विलियम्स मर्सीडिज (3) अंक के साथ शीर्ष दस में बने हुए हैं।

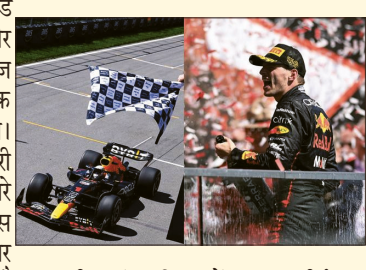

भारत में इतने तेज गेंदबाजों को देखना अविश्वसनीय: राहुल द्रविड़

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि युवा तेज गेंदबाजों की संख्या को देखते हुए भारतीय क्रिकेट के लिए यह रोमांचक समय है और उम्मीद है कि उनमें से कुछ खिलाड़ी इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप में खेलने के लिए आगे जा सकते हैं। आईपीएल 2022 के समापन के बाद उभरने वाले उल्लेखनीय तेज गेंदबाजों में उमरान मलिक शामिल हैं जिन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 157 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी जबकि अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप सेन ने भी जबरदस्त प्रदर्शन दिखाया है। द्रविड़ ने भारतीय टीम के साथ अब तक के अपने कोचिंग कार्यकाल के बारे में बात करते हुए और कम समय में कई कप्तानों और तेज गेंदबाजों के साथ काम करते हुए कहा, यह (कोचिंग) काफी रोमांचक रहा है, यह अच्छा रहा है। यह चुनौतीपूर्ण भी रहा है, हमें पिछले आठ महीनों में छह कप्तान मिले हैं जो वास्तव में योजना नहीं था, लेकिन यह हमारे द्वारा खेले जाने वाले खेलों की संख्या की प्रकृति है, यह कोविड की प्रकृति है, इसलिए बहुत से लोगों के साथ काम करना पड़ा है, यह बहुत मजेदार रहा है। कई अन्य को नेतृत्व करने का मौका मिला है, हमें समूह में और अधिक नेता बनाने का अवसर मिला है।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने नीदरलैंड को ड्रा पर रोका

डबलिन (एजेंसी)।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके यहां चल रहे पांच देशों के अंडर-23 टूर्नामेंट में नीदरलैंड को 2-2 से ड्रॉ पर रोका। सोमवार की रात खेले गए इस मैच में भारत के लिए अन्नू (19वें मिनट) और ब्यूटी डुंगडुंग (37वें मिनट) ने गोल किए जबकि नीदरलैंड की तरफ से ब्रॉवर एम्बर (13वें मिनट) और वैन डेर ब्रोक बेलेन (17वें मिनट) ने एक-एक गोल किया।

भारतीय टीम शुरुआत से ही काफी दबाव में थी क्योंकि नीदरलैंड ने शुरुआती पांच मिनट में लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए। भारत ने इन पर गोल नहीं होने दिए लेकिन एम्बर ने 13वें मिनट में गोल करके नीदरलैंड को बढ़त दिला दी जिसे वान डेर ब्रोक बेलेन ने 17वें मिनट में दोगुना कर दिया। भारत ने जवाबी हमला करके पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे 19वें मिनट में अन्नू ने गोल में बदला।

भारतीय टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बावजूद तीसरे क्वार्टर में शानदार खेल दिखाया। उप-कप्तान ब्यूटी डुंगडुंग ने 37वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीम को मौके मिले लेकिन कोई भी उनका फायदा नहीं उठा पाई। भारतीय महिला टीम बुधवार को टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में यूक्रेन से भिड़ेगी।

भारत के भांबरी और रामकुमार विंबलडन क्वालिफाइंग मुकाबले में हारे

मुम्बई । भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन और युकी भांबरी साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम विंबलडन के क्वालिफाइंग दौर से ही बाहर हो गये हैं। रामकुमार को पहले ही दौर में चेक गणराज्य के विट कोपरिवा ने 7-5, 6-4 से हराया। इस मुकाबले में पहला सेट हारने के बाद रामनाथन ने दूसरे सेट में वापसी का प्रयास किया पर वे सफल नहीं रहे। अब कोपरिवा का मुकाबला ऑस्ट्रिया के सेबेस्टियन ओफनर से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में भांबरी को स्पेन के बेरनाबे जाप्टा मिरालेस ने 7-5, 6-1 से हराया। मुकाबले के दौरान भांबरी ने शुरुआत अच्छी की थी। उन्होंने शुरू में 5-3 की बढ़त बनाई पर मिरालेस ने शीघ्र ही वापसी की। स्पेनिश खिलाड़ी ने इसके बाद भांबरी को वापसी का अवसर नहीं दिया। भांबरी को इंजरी प्रोटेक्टेड रैंकिंग के जरिए क्वालिफाइंग में मौका मिला था। मिरालेस ने हाल में कई अच्छी जीत दर्ज की थी। मिरालेस ने क्वालिफाइंग के जरिए पिछले महीने वर्ष के दूसरे ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में जगह बनाई थी। उन्होंने इस दौरान अमेरिका के टेलर फिट्ज और जॉन इस्नर जैसे स्टार खिलाड़ियों को पराजित किया था। मिरालेस का सामना अब अगले दौर में फ्रांस के एंटोइन होआंग से होगा।

चाहर को फिट होने में और पांच सप्ताह का समय लगेगा, वाशिंगटन लंकाशर के लिए खेलेंगे

बेंगलुरू (एजेंसी)।

भारत के टी20 विशेषज्ञ तेज गेंदबाज दीपक चाहर को हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों में खिंचाव) की चोट से पूरी तरह उबरने में और चार से पांच सप्ताह का समय लगेगा। वह इस चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूरे सत्र से बाहर हो गए थे। चाहर और एक अन्य केंद्रीय अनुबंधित क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर हाथ की चोट से उबर रहे हैं। ये दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में टी नटराजन के साथ रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन इंग्लैंड की काउंटी टीम लंकाशर के प्रतिनिधित्व के लिए इंग्लैंड जाने के लिए तैयार हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, 'वाशिंगटन पूरी तरह से फिटनेस हासिल करने के करीब है और उसे लय हासिल करने के लिए मैदान में समय देना होगा, जो उसे केवल लाल गेंद के क्रिकेट में मिलेगा। वह लंकाशायर के लिए खेलने जा रहा है। इससे वह बेहतर स्थिति में रहेगा।' कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान चोटिल होने वाले चाहर एनसीए में अपने सुबह के सत्र के दौरान अच्छी स्थिति में दिखे। उन्होंने अपने रिहैब सत्र के बाद कहा, 'मैं अपने रिहैब कार्यक्रम के अनुसार अभी एक बार में चार से पांच ओवर गेंदबाजी अभ्यास कर रहा हूं। मेरी रिकवरी (चोट से उबरना) काफी अच्छी चल रही है और मुझे लगता है कि मुझे मैच के लिए जरूरी फिटनेस हासिल करने में चार से पांच सप्ताह और लगेंगे।' राजस्थान के इस तेज गेंदबाज ने स्वीकार किया कि जुलाई के दूसरे सप्ताह में जब भारत इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा तब तक उनका फिट होना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'जहां तक रिकवरी का सवाल है, यह एक कदम दर कदम प्रक्रिया है। मुझे नहीं लगता कि मैं इंग्लैंड टी20 के लिए फिट हो पाऊंगा।

अपनी ही टीम के खिलाफ खेलेंगा नीदरलैंड का गेंदबाज, न्यूजीलैंड टीम में हुआ शामिल

ऑकलैंड । नीदरलैंड के पूर्व लेग-स्पिन गेंदबाज माइकल रिपन को न्यूजीलैंड के सफेद-बॉल दौरे के लिए 15 सदस्यीय स्क्वाड में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इस दौरे पर न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगी। 30 वर्षीय रिपन 2013 में दक्षिण अफ्रीका से न्यूजीलैंड आये थे। वह नीदरलैंड के लिए 31 मैच खेल चुके हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में भी नीदरलैंड का प्रतिनिधित्व किया था। आईसीसी नियमों के अनुसार एक खिलाड़ी किसी पूर्ण सदस्य राष्ट्र के लिए उपलब्ध होते हुए भी एक संबद्ध या सहयोगी राष्ट्र के लिए खेल सकता है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'आईसीसी पात्रता नियम एक खिलाड़ी को किसी पूर्ण सदस्य राष्ट्र के लिए उपलब्ध होते हुए भी किसी संबद्ध या सहयोगी राष्ट्र के प्रतिनिधित्व की अनुमति देते हैं, हालांकि यदि उन्हें पूर्ण सदस्य राष्ट्र की टीम शीट में शामिल कर लिया जाता है, तो वह सहयोगी राष्ट्र के लिये अगले तीन साल तक नहीं खेल सकते।' रिपन के अलावा अनकैप्ड विकेटकीपर डेन क्लीवर को भी पहली बार टीम में शामिल किया गया है। इस दौरे पर न्यूजीलैंड आयरलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मुकाबले खेलेगी। इसके बाद कीवी टीम एडिनबर्ग में दो टी20 और एक एकदिवसीय मुकाबले में स्कॉटलैंड का सामना करेगी, और अंततः वे डच टीम के खिलाफ दो टी20 खेलेंगे।

रणजी ट्राफी फाइनल : मुंबई के 42वें खिताब का सपना तोड़ने उतरेगा मध्य प्रदेश

बेंगलुरू (एजेंसी)।

'आप रजत पदक हासिल नहीं करते, आप हमेशा स्वर्ण पदक गंवाते हो' की मशहूर खेल कहावत पर विश्वास करने वाली मुंबई की मजबूत टीम मध्य प्रदेश के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले रणजी ट्राफी फाइनल में 42वां खिताब हासिल करने दृढ़ इरादों के साथ मैदान पर उतरेगी। यह असल में मुंबई के योद्धाओं और मध्य प्रदेश के रणबांकुरों के बीच मुकाबला है जिसमें कोई भी टीम किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतना चाहेगी।

मध्य प्रदेश के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित ने अपनी टीम को किसी चैंपियनशिप से कम पर समझौता नहीं करना सिखाया है, लेकिन सत्र के आखिर में अमोल मजूमदार की कोचिंग में खेल रहे मुंबई के खिलाड़ियों ने अधिक दबदबे वाला प्रदर्शन किया है। कागजों पर मुंबई की टीम खिताब की प्रबल दावेदार नजर आती है। सरफराज खान ने केवल पांच मैचों में 800 से अधिक रन बनाकर अपने खेल को पूरी तरह से अलग स्तर पर पहुंचा दिया है।

यशस्वी जायसवाल ऐसे युवा खिलाड़ी हैं जो लंबी अवधि के प्रारूप को लेकर उतने ही गंभीर हैं जितना कि वह राजस्थान रॉयल्स की तरफ से आईपीएल में खेलने को लेकर हैं। क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल की चार पारियों में तीन शतक से रनों के लिये उनकी भूख का पता चलता है। पृथ्वी सॉव मुंबई के ठेठ खडूस (जिद्दी) बल्लेबाज नहीं हैं, बल्कि किसी भी आक्रमण पर हावी होने के लिये वीरेंद्र सहवाग की तरह रणनीति अपनाने वाले बल्लेबाज हैं। इनके अलावा मुंबई के पास अरमान जाफर, सुवेद पारकर और हार्दिक तमोर हैं जो मौके का फायदा उठाना जानते हैं।

मुंबई के पास हमेशा जबरदस्त बल्लेबाजी क्रम रहा है जो विपक्षी टीम को परेशान कर सकता है लेकिन इस बार उसके दो स्पिनरों बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी (37 विकेट और 292 रन) और ऑफ स्पिनर तनुश कोटियन (18 विकेट और 236 रन) ने गेंदबाजी ही नहीं बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

मध्य प्रदेश हालांकि हाल के दिनों में सबसे बेहतर टीम में से एक रही है और पंडित की देखरेख में अनुशासित प्रदर्शन से ही रणजी ट्राफी जैसे टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच पाई है। बल्लेबाजी में वेंकटेश अय्यर और गेंदबाजी में तेज गेंदबाज आवेश खान की अनुपस्थिति में कुमार कार्तिकेय, हिमांशु मंत्री और अक्षत रघुवंशी

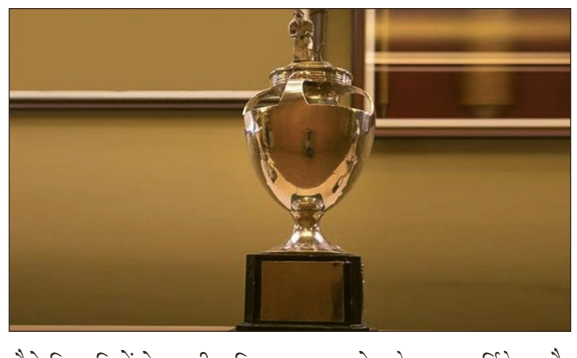

जैसे खिलाड़ियों ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई।

मुंबई को इनके अलावा सबसे अधिक रजत पाटीदार से सतर्क रहना होगा जो अपनी बल्लेबाजी से मैच का रुख पलटने में सक्षम हैं। मध्य प्रदेश के पास कार्तिकेय और सारांश जैन के रूप में दो अच्छे स्पिनर हैं जो मुंबई की मजबूत बल्लेबाजी के लिये परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ये स्कॉलरशिप करेंगे आपके विदेश अध्ययन का सपना पूरा

ग्लोबल एजुकेशन एक छात्र के जीवन को बदल सकती है, यही वजह है कि हर साल लाखों छात्र विदेशों में पढ़ते हैं। यह उनके लिए नए अवसर और नए आयाम लेकर आता है। इन अवसरों तक पहुंचने के लिए छात्रों को स्कॉलरशिप के रूप में कुछ राशि दी जाती है ताकि वे विदेशों में जाकर पढ़ाई करें और अपने सपने साकार करें। ये स्कॉलरशिप कुछ खास टेस्ट के बाद दिए जाते हैं या मेरिट के आधार पर भी प्रदान किए जाते हैं। आइए इस लेख के माध्यम से जानते हैं कि उन स्कॉलरशिप के विषय में जो छात्रों की मदद करते हैं।

इरास्मस मुंडस ज्वाइंट मास्टर डिग्री

यह एक इंटरनेशनल स्टडीज प्रोग्राम है जो यूरोप और बाकी दुनिया के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए यूरोपियन यूनियन द्वारा बनाया गया है। यह प्रोग्राम कॉलेज में ज्वाइंट मास्टर डिग्री हासिल करने के इच्छुक सभी छात्रों के लिए इरास्मस मुंडस के माध्यम से उपलब्ध है। इरास्मस यूरोप और यूके में दी जाने वाली सबसे बड़ी स्कॉलरशिप है जिसमें ट्रैवल अलाउंस और मासिक भत्ते सहित सभी लागतों को कवर किया जाता है। सितंबर में इस प्रोग्राम के लिए फॉर्म उपलब्ध होते हैं।

ओंटारियो ट्रिलियम

यह हर साल सात व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपनी मास्टर की पढ़ाई पूरी कर ली है और अपनी अंतिम दो परीक्षाओं में औसतन 80% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। ओंटारियो, कनाडा में डॉक्टरेट करने के इच्छुक लोगों के लिए स्कॉलरशिप उपलब्ध हैं। अगस्त और सितंबर माह में इस प्रोग्राम के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरा जा सकता है।

वानियर कनाडा ग्रेजुएट

वानियर कनाडा ग्रेजुएट उन लोगों के लिए उपलब्ध है जो एक कैनेडियन इंस्टीट्यूट से नेशनल साइंस, हेल्थ रिसर्च, इंजीनियरिंग रिसर्च और सोशल साइंस के फील्ड में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। जुलाई से नवंबर तक इस प्रोग्राम के लिए एप्लीकेशन फॉर्म उपलब्ध होते हैं।

ऑक्सफोर्ड एंड कैंब्रिज सोसायटी ऑफ इंडिया

सभी शैक्षणिक स्तरों के छात्रों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसका लक्ष्य है ऑक्सफोर्ड या कैमब्रिज जैसे कॉलेजों में आगे की शिक्षा प्राप्त करने में भारतीय छात्रों को फाइनेंशियल सहायता देकर सक्षम बनाना है। छात्र ध्यान दें कि आवेदकों की आयु 30 वर्ष होनी चाहिए और इसके लिए मई महीने में अप्लाई किया जा सकता है।

टाटा स्कॉलरशिप कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

जो छात्र बिना फाइनेंशियल दिक्कतों के कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेकर पढ़ना चाहते हैं उनके लिए टाटा स्कॉलरशिप फंड डिजाइन किया गया है। छात्रों को ग्रेजुएशन की अवधि के लिए स्कॉलरशिप वार्षिक रूप में दी जाएगी। इस प्रोग्राम के लिए छात्र अक्टूबर-नवंबर की महीने में अप्लाई कर सकते हैं।

आईएएस-आईपीएस बनने के लिए कितनी देर पढ़ना जरूरी? एग्जाम क्लियर करने की महत्वपूर्ण टिप्स

सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है। हर साल हजारों उम्मीदवार परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। इसके लिए केवल तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है। इस परीक्षा के लिए तैयारी के साथ-साथ सही रणनीति की भी जरूरत होती है।

संघ लोक सेवा आयोग हर साल कई सरकारी विभागों के पदों पर भर्तियां करता है। सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है। इसके लिए केवल तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है। इस परीक्षा के लिए तैयारी के साथ-साथ सही रणनीति की भी जरूरत होती है। एक अच्छी रणनीति परीक्षा में आपकी सफलता निश्चित कर सकती है। सिविल सेवा परीक्षा में 3 चरण होते हैं : प्रारंभिक परीक्षा (उद्देश्य), मुख्य परीक्षा (लिखित) और साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण)। हर साल, हजारों उम्मीदवार परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

6 से 7 घंटे पढ़ाई करें

अगर आप नौकरी करते हैं तो ऐसे में दिनभर की थकान की वजह से एक साथ 5 से 6 घंटे पढ़ पाना मुश्किल होता है। ऐसे में यूपीएससी की तैयारी के लिए पढ़ाई को दो हिस्सों में बांट लें। आप सुबह 2 से 3 घंटे पढ़ाई करें और बाकी पढ़ाई शाम को पूरी करें।

पढ़ाई के बीच ब्रेक लेना जरूरी

पढ़ाई के बीच में ब्रेक लेना जरूरी होता है। फिर 25 मिनट की पढ़ाई के बाद आपको पांच मिनट का ब्रेक लेना चाहिए। इससे आपको थकान नहीं होगी और ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। वीकेंड पर आप 8 से 10 घंटे तक पढ़ सकते हैं।

ऑफिस और पर्सनल टाइम के बीच बैलेंस

अगर आप यूपीएससी की तैयारी करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको नौकरी छोड़ने की जरूरत नहीं है। आपको बस अपने ऑफिस और पर्सनल टाइम के बीच बैलेंस बनाना होगा। इससे आप नौकरी के साथ यूपीएससी की अच्छी तैयारी कर सकेंगे।

9 से 10 महीने का प्लान बनाएं

यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा की तैयारी के लिए आपको कम से कम 9 से 10 महीने का प्लान बनाना होगा। इस दौरान आप अपने मुख्य विषयों जैसे इतिहास, राजनीति और अर्थशास्त्र को मजबूत करने पर ध्यान दें। पहले की छह महीनों के लिए प्रीलिम्स और मेंस दोनों परीक्षाओं को ध्यान में रखकर पढ़ाई करें।

पैटर्न का अध्ययन करें

उम्मीदवारों को पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को जरूर देखना चाहिए। यह प्रश्नों के प्रकार को निर्धारित करने में मदद करता है, और तैयारी के लिए उपयुक्त स्टडी मटेरियल चुनने में मदद करता है। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के विश्लेषण से पाठ्यक्रम को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है जिनसे अधिक प्रश्न पूछे गए हैं। उम्मीदवारों के लिए अभ्यास परीक्षण काम में आते हैं। ये परीक्षण न केवल मुख्य परीक्षा की तैयारी में सभी उम्मीदवारों की मदद करते हैं, बल्कि टाइम मैनेजमेंट सीखने में भी मदद करते हैं। दैनिक आधार पर लिखने का अभ्यास करें। एक अखबार या पाठ्यक्रम के एक विषय से एक संपादकीय उठाएं, और उस पर एक प्रश्न फ्रेम करें और उसका उत्तर लिखें।

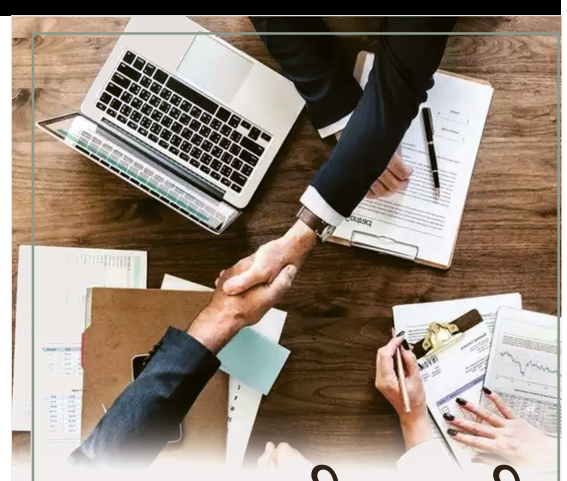

क्या जल्दी-जल्दी नौकरियां बदलना है सही? क्या हो सकते हैं फायदे और नुकसान

क्या आप बहुत जल्दी-जल्दी नौकरियां बदल रहे हैं या बदले की चाह रखते हैं तो यह जान लीजिए कि इससे कंपनी को आपकी कुछ आदतों के विषय में पता चलता है। ऐसा करने से कंपनी को लगता है कि आप अच्छी सैलरी और पॉजिशन की चाह रखते हैं या नौकरी को लेकर आप गंभीर नहीं हैं। हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं कि डेवलपमेंट के लिए सभी जगहों के कार्य का एक्सपीरियंस होना बेहद जरूरी है। किसी भी करियर में एक अवधि ऐसी भी होनी चाहिए जहां आप खुद को जांच सकें कि अगर आपको मदद करने वाला वातावरण मिले, तो आपका प्रदर्शन कैसा होगा। कंपनी किसी को भी हायर करने से पहले कुछ खास संकेतों का ध्यान रखती है जिसपर आपका करियर निर्भर कर सकता है। नीचे उन संकेतों के उदाहरण दिए गए हैं-

- एक कर्मचारी काम के दौरान लिए गए गलत निर्णयों के आधार पर या काम से बचने के लिए भी बार-बार जॉब बदल सकते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि बड़े लेवल पर कोई निर्णय लेने में समय लगता है। उस निर्णय के आने तक कर्मचारी कंपनी में रूकेगा।
- अगर कंपनी छोड़ने वाले के पास कोई बड़ा कारण न हो तो बार-बार चेंज करने पर कंपनी यह सोचती है कि वह एक ऐसा कर्मचारी है जिस पर पूरी तरह से निर्भर नहीं हुआ जा सकता है।
- इंडस्ट्री के एक्सपर्ट मानते हैं कि करियर में ब्रेक लेना पॉजिटिव है लेकिन केवल सैलरी और अच्छी पोजीशन इसके पीछे कारण न हो।
- इसके साथ ही शॉर्ट कॉन्ट्रैक्ट के पूरा हो जाने, ट्रेवलिंग, खुद का काम आदि जैसे कार्यों को पूरा करने के लिए करियर में ब्रेक लेना हो तो यह पॉजिटिव रूप में कार्य करेगा।
- चयन करते समय कंपनी ध्यान देती है कि अगर उम्मीदवार किसी भी तरीके से पिछली कंपनी के बारे में नेगेटिव बातें करता है तो यह भी आपकी छवि को कम करने का कार्य करता है।

साइकोलॉजी पढ़ने वाले छात्र इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

साइकोलॉजी विविध दृष्टिकोणों से मानव व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। यह मानवीय धारणा, सीखने, भावनाओं और स्थितियों की प्रतिक्रियाओं को समझने के लिए साइंटिफिक तरीकों का इस्तेमाल करता है। एक साइकोलॉजिस्ट के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य बनाया जा सकता है, जिसमें क्लिनिकल साइकोलॉजी, इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी और ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर, स्कूल साइकोलॉजी, फोरेंसिक साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, रिहैबिलिटेशन, कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस और कई अन्य शामिल हैं। इसके अलावा, इन सभी क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान साइकोलॉजी के छात्रों के लिए एक नई ऊर्जा के रूप में हो सकती है। आइए जानते हैं कैसे और किन क्षेत्रों में बनाया जा सकता है करियर। नीचे दिए गए शैक्षिक योग्यताओं के साथ साइकोलॉजिस्ट बना जा सकता है.

- एक विषय के रूप में साइकोलॉजी के साथ या उसके बिना 10+2 स्तर।
- साइकोलॉजी ऑनर्स में ग्रेजुएशन डिग्री।
- नैदानिक मनोविज्ञान/औद्योगिक मनोविज्ञान और संगठनात्मक व्यवहार/ स्कूल या शिक्षा मनोविज्ञान/ स्वास्थ्य मनोविज्ञान/ संज्ञानात्मक मनोविज्ञान/ सामाजिक मनोविज्ञान/ प्रायोगिक मनोविज्ञान में विशेषज्ञता के साथ मनोविज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री।

- साइकोलॉजी के विशिष्ट क्षेत्रों में ऑप्शनल पीजी डिप्लोमा कोर्स।
- क्लिनिकल साइकोलॉजी में ऑप्शनल एमफिल डिग्री।
- साइकोलॉजी के एक विशेष क्षेत्र में डॉक्टरेट की डिग्री।

साइकोलॉजी के क्षेत्रों में करियर और रोजगार के अवसर

- **क्लिनिकल साइकोलॉजी / रिहैबिलिटेशन एंड काउंसलिंग साइकोलॉजी**
  सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों, गैर सरकारी संगठनों, प्राइवेट क्लीनिकों, फ्रीलांसरों में लाइसेंस प्राप्त क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम किया जा सकता है।
- **इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी एंड ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर**
  साइकोलॉजिस्ट, संगठनों में सलाहकार, चयन और भर्ती के रूप में कार्य किया जा सकता है।
- **फोरेंसिक साइकोलॉजी**
  इस क्षेत्र के लोग पुलिस विभागों, अपराध शाखाओं, रक्षा/सेना, कानूनी फर्मों, जांच ब्यूरो आदि में सलाहकार के रूप में कार्य कर सकते हैं।
- **स्कूल साइकोलॉजी**
  पब्लिक और प्राइवेट स्कूलों, विश्वविद्यालयों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों, समुदाय-आधारित उपचार केंद्रों, आवासीय क्लीनिकों और अस्पतालों, किशोर न्याय कार्यक्रमों और निजी क्लीनिकों में स्कूल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम करें।
- **खेल साइकोलॉजी**
  स्कूल / कॉलेज / विश्वविद्यालय की खेल टीमों, पेशेवर टीमों, खेल पुनर्वास विशेषज्ञ, खेल अनुसंधान विशेषज्ञ और सलाहकारों के लिए खेल साइकोलॉजी के रूप में काम करें।
- **साइकोमेट्री**
  सरकारी और प्राइवेट संगठनों, सलाहकार और शोधकर्ता के लिए एक पेशेवर टेस्ट डेवलपर और साइकोमेट्रिकियन के रूप में काम करें।

इंसानियत शर्मसार: पाकिस्तान में हिंदू महिला का सिर काट गर्भ में छोड़ा

पाकिस्तान में लापरवाही का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। सिंध प्रांत के ग्रामीण चिकित्सा केंद्र के स्टाफ ने नवजात बच्चे का सिर धड़ से अलग कर दिया और फिर उसे मां के गर्भ में ही छोड़ दिया। इस वजह से महिला की जान खतरे में पड़ गई। इस घटना के बाद पाकिस्तान की सिंध सरकार ने मेडिकल जांच बोर्ड का गठन किया है। ताकी इस शर्मसार कर देने वाली घटना की तह तक जाकर अपराधियों का पता लगाया जा सके। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के एक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य केंद्र के गैर-प्रशिक्षित कर्मियों ने एक गर्भवती महिला का प्रसव कराते समय गर्भाशय में बच्चे का सिर काट दिया। घटना के बाद 32 वर्षीय हिंदू महिला की हालत बेहद नाजुक हो गई थी। सिंध सरकार ने मामले की जांच करने और दोषियों का पता लगाने के लिए चिकित्सकीय जांच बोर्ड का गठन किया है।, आरएचसी के कर्मियों ने रविवार को सर्जरी की और बच्चे का सिर गर्भाशय में ही काट दिया। इससे महिला की तबीयत काफी खराब हो गई और उसे मीठी में पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उसके उपचार की कोई व्यवस्था नहीं थी। इसके बाद महिला के परिजन उसे लेकर एलयूएमएचएस पहुंचे, जहां बच्चे का शेष शरीर बाहर निकाला गया। सिंध स्वास्थ्य सेवा के महानिदेशक डॉ. जुमन बहोटो ने जच्चा-बच्चा के जीवन के साथ खिलवाड़ से जुड़ी इस घटना के जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा, 'जांच समिति इस बात का पता लगाएगी कि मामले में क्या हुआ था। वह खासतौर पर यह जानने की कोशिश करेगी कि छाचरो स्थित आरएचसी में कोई महिला स्त्री रोग विशेषज्ञ या कर्मचारी क्यों नहीं थी।' बहोटो ने बताया कि जांच समिति उन खबरों पर भी गौर करेगी कि महिला जब स्ट्रेचर पर थी, तब उसके वीडियो बनाए गए। उन्होंने कहा, ''कुछ कर्मचारियों ने स्त्री रोग वार्ड में अपने मोबाइल से महिला की तस्वीरें लीं, वीडियो बनाए और उन्हें लोगों के साथ साझा किया।

टेस्ला ने 500 कर्मचारियों को निकाला, किया कंपनी पर मुकदमा दर्ज

वाशिंगटन। टेस्ला के पूर्व कर्मचारियों ने कंपनी पर मुकदमा दर्ज करा दिया हैं। कर्मचारियों का कहना है कि कंपनी का 'बड़े स्तर पर छंटनी का फैसला कानून का उल्लंघन है, क्योंकि कर्मचारियों को इसकी पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। यह मुकदमा जॉन लिंच और डेक्स्टन हार्ट्सफील्ज ने किया है, जिन्हें 10 और 15 जून को नौकरी से निकाला गया था। अब वह कंपनी से 60 दिन के नोटिस पीरियड के बदले भुगतान और बेनेफिट्स मांग रहे हैं। उनका दावा है कि उन्हें कंपनी की गीगा फैक्ट्री से निकाला गया है। मुकदमे में दावा किया गया है कि नेवाडा स्थित टेस्ला की गीगा फैक्ट्री से 500 लोगों को निकाला गया है। मुकदमा दर्ज कराने वाले कर्मचारियों ने कहा है कि कंपनी ने वर्कर एडजस्टमेंट एंड रिटेर्निंग नोटिफिकेशन एक्ट के तहत कर्मचारियों को 60 दिन का नोटिस न देकर कानून का उल्लंघन किया है। वे उन सभी टेस्ला कर्मचारियों के लिए न्याय मांग रहे हैं जिन्हें मई और जून में बगैर किसी पूर्व सूचना के कंपनी से निकाल दिया गया। मुकदमे के अनुसार, टेस्ला ने बस कर्मचारियों को बता दिया कि उनकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाती हैं। टेस्ला ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि, टेस्ला के प्रमुख मस्क ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि अर्थव्यस्था अभी खराब दौर में जाती दिख रही है और उन्हें करीब 10 फीसदी कर्मचारियों को काम से निकालना होगा। इस बीच 20 से अधिक लोगों ने कहा है कि वह टेस्ला के पूर्व कर्मचारी हैं, उन्हें इसी महीने नौकरी से निकाला गया है।

कंबोडिया में मिली दुनिया की सबसे बड़ी मछली, 300 किलो है वजन

कंबोडिया । मेकांग नदी से दुनिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की मछली को पकड़ा गया है। यह एक विशाल स्टिंग्रे मछली है, जिसका वजन लगभग 300 किलो है। शोधकर्ताओं की मानें तो यह अब तक रिकॉर्ड की गई दुनिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की मछली है। 13 जून को पकड़ी गई मछली की लंबाई 13 फीट है। बताया जा रहा है कि स्टंग ट्रेंग नामक जगह के नजदीक स्थानीय मछुआरे ने मछली को पकड़ा है। कहा जा रहा है, कि जब मछुआरे ने मछली को पकड़ा था, तब वे लोग भी इसके आकार को देखकर हैरान रह गया था, जिसके बाद उसने वैज्ञानिकों को इस बारे में सूचित किया। वैज्ञानिकों ने बताया, ताजे पानी की सबसे बड़ी मछली का पिछला रिकॉर्ड 293 किलो की विशाल कैटफिश के नाम था। इस मछली को 2005 में थाईलैंड में पकड़ा गया था. बताया जा रहा है कि इस 4 मीटर लंबी इस विशालकाय स्टिंग्रे मछली को इलेक्ट्रॉनिक टैग लगाने के बाद वापस से नदी में छोड़ दिया गया, ताकि शोधकर्ता उसके मूवमेंट और बिहेवियर पर नजर रख सकें।

नेपाल में पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के विरोध में छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस ने बरसाई लाठियां

काठमांडू । भारत के पड़ोसी देश इन दिनों ईंधन की कमी का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान, श्रीलंका के बाद अब नेपाल में तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। राजधानी काठमांडू में सोमवार को छात्रों के संगठन ने बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीजल की कीमतों का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। काठमांडू में ऑल नेपाल नेशनल फ्री स्टूडेंट यूनियन (एएनएनएफएसयू) के लगभग 100 प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठियां बरसाईं। पुलिस ने कई प्रदर्शकारियों को हिरासत में ले लिया और बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। उल्लेखनीय है कि एएनएनएफएसयू मुख्य विपक्षी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) की छात्र शाखा है। राज्य के स्वामित्व वाली एकाधिकार नेपाल ऑयल कॉरपोरेशन (एनओसी) ने सोमवार को एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमत में क्रमशः 12 फीसदी और 16 फीसदी की बढ़ोतरी की। इससे व्यापक कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका पैदा हो गई। इसके विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। यही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उद्योग, वाणिज्य और आपूर्ति मंत्री दिलेंद्र प्रसाद बडू का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने सस्ते ईंधन और खाद्य मूल्य नियंत्रण की मांग की। एक प्रदर्शनकारी हरक बहादुर बोहरा ने बताया यह अयोग्य गठबंधन सरकार लगातार पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत बढ़ा रही है। हम लोगों इसका विरोध कर रहे हैं। सरकार को कीमतें घटानी होगी, ताकि कम से कम हम एक दिन में दो बार के खाने का खर्च उठा सके। बता दें कि रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि हुई है। नई कीमत के लागू होने से अब पेट्रोल की कीमत 199 रुपए प्रति लीटर और डीजल और केरोसिन की कीमत 192 रुपए प्रति लीटर हो गई। इसी तरह, विमानन ईंधन की कीमत 185 रुपए प्रति लीटर (घरेलू) और 1,645 डॉलर प्रति किलो लीटर (अंतरराष्ट्रीय) तक पहुंच गई है। बाहरी मोर्चे पर नेपाल को घटते प्रेषित धन का सामना करना पड़ रहा है, जिसकी वजह से उसके यहां अभूतपूर्व तरीके आयात में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है।

यूएन में भारतीय नागरिक को आतंकी घोषित करना चाहता था पाक, साजिश पर फिरा पानी

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र संघ में एक भारतीय नागरिक को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित करने करने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन उसकी इस साजिश पर पानी फिर गया है। इस प्रस्ताव को भारत समेत 4 अन्य देशों ने खारिज कर दिया। पाकिस्तान गोबिंद पटनायक डुग्गीवालासा नाम के शख्स के आतंकवादी होने का दावा करता है। पाकिस्तान ने दावा किया कि यह शख्स पाकिस्तान के खिलाफ आतंकी हमलों में शामिल रहा है। इसे अंतरराष्ट्रीय आंतकी घोषित करने के लिए पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में इस शख्स का नाम दर्ज कराने की कोशिश की थी। पाकिस्तान के इस प्रस्ताव को खारिज करने में, यूके, अमेरिका, फ्रांस और अल्बानिया ने भारत का साथ दिया था। भारत का साथ देने वाले देशों में, 3 देश यूएनएससी के स्थाई सदस्य हैं। जबकि, चौथा देश अल्बानिया इस माह यूएनएससी का अध्यक्ष है। सन 2020 में भी पाकिस्तान के ऐसे एक प्रस्ताव को सभी सदस्यों ने खारिज कर दिया था। यूएन में भारत के प्रतिनिधि टीएस त्रिमूर्ति ने अपने ट्वीट में कहा 'आतंकवाद पर 1267 विशेष प्रक्रिया को धार्मिक और राजनीतिक रंग देने की पाकिस्तान की कोशिश को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने नाकाम कर दिया है। हम उन सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने पाकिस्तान के मंसूबे नाकाम कर दिए। पिछले हफ्ते भी, यूएनएससी में एक प्रस्ताव पेश किया गया था। लश्कर-ए-तैय्यबा के आतंकी अब्दुल रहमान मक्की को 1267 कमिटी में शामिल करने का प्रस्ताव पेश किया गया था। यह प्रस्ताव भारत और अमेरिका ने पेश किया था, लेकिन चीन ने इस प्रस्ताव पर रोक लगा दी थी। अमेरिका ने मक्की के ऊपर 2 मिलियन डॉलर (15 करोड़ रुपए) का इनाम रखा है, भारत ने भी यूएपीए के तहत मक्की को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। यूएनएससी 1267 कमिटी रिजोल्युशन को यूएनएससी अलकायदा और इस्लामिक स्टेट्स (आईएसआईएस) रिजोल्युशन भी कहते है। यह 1999 में मंजूर किया गया था।

काठमांडू में टोर्च रैली निकालकर इंधन की कीमतें बढ़ने का विरोध करते हुए लोग।

सितंबर की शुरुआत में भारत आ सकती हैं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना: मोमेन

ढाका। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर सितंबर की शुरुआत में नयी दिल्ली की यात्रा कर सकती हैं। बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ ए. के. अब्दुल मोमेन ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारत-बांग्लादेश संयुक्त सलाहकार आयोग की सातवीं बैठक में शामिल होने के बाद नयी दिल्ली से वापस आने पर हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोमेन ने संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री के नयी दिल्ली यात्रा की संभावित तारीख सितंबर के पहले 10 दिन के भीतर हो सकती है।'' उन्होंने कहा कि भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बातचीत के दौरान प्रस्तावित सुझायी गई तिथियों पर प्रधानमंत्री कार्यालय विचार कर सकता है।

इमरान खान का दावा, जल्द चुनाव नहीं हुए तो पाकिस्तान में आर्थिक संकट और गहराएगा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने आगाह किया है कि अगर नकदी की कमी से जूझ रहे मुल्क में जल्द चुनाव नहीं कराए गए तो यहां आर्थिक तथा राजनीतिक संकट और गहरा हो जाएगा। इस बीच इमरान के समर्थकों ने प्रमुख शहरों में बढ़ती महंगाई के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। पूर्व प्रधानमंत्री ने शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार के अप्रैल में सत्ता में आने के बाद तीसरी बार पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी के मद्देनजर पिछले हफ्ते विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया था। रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए इमरान ने कहा था कि अगर समयपूर्व चुनाव नहीं कराए गए तो मुल्क के आर्थिक तथा राजनीतिक हालात 'और खराब' हो जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं आपका (लॉन्ग मार्च के लिए) आह्वान करूंगा... अगर स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव नहीं हुए तो अराजकता और फैलेगी।'

इमरान ने पेट्रोलियम उत्पादों पर सब्सिडी वापस लेने के लिए सरकार की आलोचना की और कहा कि उनके नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नीत पिछली सरकार ने कीमतें बढ़ाने की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मांग का विरोध किया था। इमरान ने कहा, 'यह सरकार दो महीने के लिए आईएमएफ के कार्यक्रम का हिस्सा है, जबकि हम ढाई साल तक इसमें रहे। पर मेरी सरकार ने ईंधन की कीमतें बढ़ाने की आईएमएफ की शर्त के खिलाफ पेट्रोल के दाम में कटौती की थी।' उन्होंने मौजूदा सरकार पर 'अर्थव्यवस्था को संभालने में असमर्थ' होने का आरोप भी लगाया और चेताया कि अगर मुल्क चुपचाप बैठा रहा तो आने वाले दिनों में कीमतें और अधिक बढ़ जाएंगी। नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान में उच्च मुद्रास्फीति, घटते विदेशी मुद्रा भंडार, बढ़ते राजकोषीय घाटे और कमजोर होती घरेलू मुद्रा के चलते आर्थिक चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। पाकिस्तानी रुपया सोमवार को अंतर-बैंक बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 211 रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिर गया। वहीं, पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में भी भारी कमी आई है और उसके पास महज छह हफ्ते का आयात कवर बच गया है।

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार के मुताबिक, इस्लामाबाद के एफ-9 पार्क, कराची के शाहरा-ए-कौदीन, लाहौर के लिबर्टी चौक, फैसलाबाद के घंटा घर चौक, रावलपिंडी के वाणिज्यिक बाजार, मुल्तान के शाह अब्दुल्ला चौक और पेशावर के हश्त नगरी गेट सहित विभिन्न जगहों पर बढ़ती महंगाई के विरोध में प्रदर्शन हुए। रावलपिंडी में एक रैली को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और पीटीआई नेता मुराद सईद ने कहा, 'कश्मीरियों के दर्द को आवाज देने वाले इमरान खान से डरकर विश्व शक्तियों ने उनके शासन के खिलाफ साजिश रची, जबकि चोरों, लुटेरों और भ्रष्ट लोगों के झुंड ने एक आयातित सरकार बनाई है।' वहीं, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने मौजूदा सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन को लेकर इमरान पर निशाना साधा और पिछली सरकार की 'त्रुटिपूर्ण नीतियों' को बढ़ती मुद्रास्फीति के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान को एक आत्मनिर्भर नेता की जरूरत है।' मरियम ने ट्वीट किया, 'फितना (अराजक) इमरान ने महंगाई के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया था, जिसके लिए वह खुद जिम्मेदार हैं।

पुतिन की राह पर जिनपिंग, बीजिंग ने दुनिया के लिए ताइवान स्ट्रेट बंद करने की दी धमकी

-दुनिया से लड़ने का ख्वाब देख रहा चीन

बीजिंग (एजेंसी)।

यूक्रेन पर हमलावर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की देखा देखी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी उसी राह पर चलते दिख रहे हैं। बीजिंग ने दुनिया के लिए ताइवान स्ट्रेट बंद करने की धमकी दे दी है। दूसरी तरफ अमेरिका के न्यूक्लियर मिसाइल को हवा में ही मार गिराने वाली बैलेस्टिक मिसाइल तैयार कर ली है। इन कदमों से साफ है कि रूस की तरह चीन भी दुनिया से लड़ने का ख्वाब देख रहा है।

ताइवान के समुंदर में जंगी बेड़ों की गड़गड़ाहट और आसमान में लड़ाकू विमानों की गूंज। यूरोप के बाद एशिया की जमीन के जंगी मुहाने पर होने की तस्दीक करा रहे हैं। चीन की साजिश को लेकर सबसे सनसनीखेज खुलासा हुआ है। चीन के दक्षिणी शहर ग्वांगझू में चीन के मिलिट्री कमांड की मीटिंग हुई है। चीन 1 लाख 40 हजार सैनिकों के साथ ताइवान पर हमला कर सकता है। चीन की जंगी सनक हदें पार कर रही हैं। ड्रैगन ने हाइपरसोनिक हथियार की टेस्टिंग की। महज दो दिन में चीन ने दो विनाशकारी हथियारों को दिखाकर अमेरिका को सीधी सीधी चेतावनी दे दी है। टाइप 003 के जंगी बेड़े की लॉन्चिंग के बाद वार जोन में ड्रैगन ने हाइपरसोनिक हथियार उतार दिया है। इस मिसाइल डिफेंस सिस्टम के टेस्ट के बाद चीन ने धरती के किसी भी हिस्से को दहलाने का दंभ भरा है।

ताइवान से मिलने से पहले चीन हर मोर्चे पर पक्की तैयारी कर रहा है। हथियारों की नुमाइश की पूरी सीरीज चल रही है। अब इसी कड़ी में चीनी सेना ने अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम का ट्रेलर भी रिलीज किया है। चीन ने इस बात का दावा किया है कि उसके पास ऐसा रक्षा कवच है जिससे एटमी हथियारों की धज्जियां उड़ा दी जाएगी। ड्रैगन के एडमिशन हाइपरसोनिक मिसाइल को भी पल भर में तबाह करने की ताकत रखते हैं। चीन ने पहली बार यह दावा किया है कि ताइवान स्ट्रेट एक अंतरराष्ट्रीय समुद्र नहीं है। अमेरिका और अन्य देशों का मानना है ताइवान स्ट्रेट एक अंतरराष्ट्रीय समुद्र है।

इजराइल में गिरी नफ्ताली बेनेट के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार, 3 साल में 5वीं बार होंगे चुनाव

तेल अवीव (एजेंसी)।

इजराइल में एक बड़ा राजनीतिक संकट पैदा हो गया है। नफ्ताली बेनेट के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार गिर चुकी है। देश में चार साल से कम समय में पांचवीं बार आम चुनाव होने जा रहे हैं। अक्टूबर के आखिर में चुनाव हो सकते हैं। इजराइली पीएम नफ्ताली बेनेट के साथ एक डील के तहत विदेश मंत्री यायिर लैपिड आने वाले कुछ दिनों के लिए देश की सत्ता संभालेंगे। सोमवार को नफ्ताली बेनेट और यायिर लैपिड संसद भंग करने के लिए सहमत हो गए। कई हफ्तों से ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि इजराइल का सत्तारूढ़ गठबंधन टूट सकता है। एक संयुक्त बयान में बेनेट और लैपिड ने अपने दलों के बीच गठबंधन को तोड़ने की जानकारी दी। इसमें कहा गया कि दोनों संसद भंग करने के लिए एक विधेयक लेकर आएंगे और अक्टूबर में चुनाव होने की उम्मीद है। बेनेट सरकार पहले ही अल्पमत में थी और उसके पास विपक्ष से सिर्फ एक सीट ज्यादा थी। बेनेट सरकार के पक्ष में 60 जबकि विरोध में 59 सांसदों ने वोट किया था। अब यायिर लापिद ने भी अलायंस से बाहर आने का फैसला किया है। इजराइल में दो साल में चार सरकारें अल्पमत में रहीं और इसी वजह से चुनाव भी हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, 8 पार्टियों के गठबंधन में शामिल यूनाइटेड अरब लिस्ट फिलिस्तीन के मामले पर बेनेट सरकार से नाराज है। फिलिस्तीनी बस्तियों को लेकर इसका पहले भी सरकार से टकराव था।

'योग का अभ्यास शारीरिक, स्वास्थ्य एवं मानवता की भलाई का समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है : यूएनजीए अध्यक्ष

जिनेवा (एजेंसी)।

विश्व योग दिवस पर योग की महत्ता प्रतिपादित करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र के अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद ने कहा है कि योग की शक्ति सभी के स्वस्थ और समृद्ध भविष्य के लिए एकता की शक्ति है। उन्होंने कहा कि योगाभ्यास ऐसे समय में एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है, जब दुनिया चिंता और अवसाद को जन्म देने वाली कोविड-19 महामारी से उबरने का प्रयास कर रही है। शाहिद संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा सोमवार को यहां आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मानवता के लिए योग' विषय के तहत मंगलवार को आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का इससे अधिक उपयुक्त समय नहीं हो सकता था क्योंकि कोविड-19 महामारी ने जीवन और आजीविका को प्रभावित किया है, जिससे चिंता और अवसाद बढ़ गया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के 'नॉर्थ लॉन' में संयुक्त राष्ट्र के गणमान्य व्यक्तियों, राजनयिकों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा, 'योग

का अभ्यास शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य एवं मानवता की भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। इससे असर पड़ता है।'

'नमस्ते' से अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए शाहिद ने कहा कि योग तन, मन और आत्मा को जोड़ने वाली एकता है। उन्होंने सभी से अपने मन-मस्तिष्क को स्वस्थ बनाए रखने, अधिक शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध होने और 'अपनी अंतर्रात्मा की शांति' के लिए योग का अभ्यास करने का आह्वान किया। कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण पिछले दो साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, लेकिन इस बार संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इसका आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने कहा कि महामारी के कठिन समय में लाखों लोगों ने स्वस्थ रहने, अवसाद और मानसिक चिंता को दूर करने के लिए योग को अपने साथी के रूप में अपनाया।

इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र में भूटान की स्थायी प्रतिनिधि डोमा शेरिंग ने कहा कि योग की जड़ें भारत की समृद्ध और प्राचीन परंपराओं में हो सकती हैं, लेकिन आज यह सीमाओं को पार कर गया है और वास्तव में मानवता के लिए भारत का उपहार है। शेरिंग ने कहा कि भूटान के नागरिकों का मानना है कि योग व्यक्ति, समुदाय और ग्रह के लिए अधिक खुशहाली लाने का काम करता है। तिरुमूर्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली' आंदोलन का उल्लेख किया, जिसके तहत दुनिया भर के लोग एक स्थायी जीवन शैली अपनाकर धरती को स्वस्थ बनाने में योगदान कर सकते हैं। तिरुमूर्ति ने कहा, 'योग ऐसे व्यक्तियों का समुदाय बनाने में योगदान दे सकता है जो सादगी को अपनाते हैं और स्थायी जीवन शैली को चुनते हैं।'

चीन की वुहान लैब से ही लीक हुआ था कोरोना वायरस: डब्ल्यूएचओ प्रमुख

लंदन (एजेंसी)।

वैश्विक स्वास्थ्य निगरानी संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) प्रमुख ट्रेडोस एदनम गेब्रेसस ने एक यूरोपीय नेता से निजी बातचीत में यह स्वीकार किया है कि चीन के वुहान लैब से ही कोरोना वायरस लीक हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक डब्ल्यूएचओ के प्रमुख ने यूरोप के एक नेता से की गई बातचीत की दौरान यह बात की है। उन्होंने इस बात की संभावना जताई कि हो सकता है कि वुहान लैब में कोई दुर्घटना हो गई हो, जहां से यह वायरस फैल गया। डब्ल्यूएचओ हमेशा से सार्वजनिक रूप से इस तथ्य को स्वीकार करने से बचता रहा है कि चीन के वुहान लैब से ही कोरोना वायरस लीक हुआ है।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कुछ दिन पहले सार्वजनिक रूप से कहा था कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि यह वायरस कहां से पैदा हुआ और यह इंसानों में कैसे आया। वायरस के उद्भव को पहचानना बहुत जरूरी है ताकि भविष्य में इस तरह की महामारी से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि लेकिन नैतिक रूप से इसका उद्भव पता करना हमारी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी कोरोना संक्रमित होने वाले लोगों, संक्रमण की चपेट में जान गंवाने वाले लोगों और उनके परिजनों के प्रति है। इसे जानने में जितना अधिक समय लगेगा, उतना ही इसके बारे में जानना मुश्किल होता जाएगा।

कोरोना वायरस का संक्रमण कैसे शुरू हुआ, यह राजनीतिक और वैज्ञानिक बहसों का मुद्दा बना हुआ है। दुनियाभर के कई वैज्ञानिक इस बात पर जोर देते हैं कि यह वायरस चमगादड़ों से इंसानों में आया। कई का कहना है कि यह लैब से लीक हुआ है। डब्ल्यूएचओ ने शुरूआती आंकलन में कहा था कि इस बात की संभावना नहीं है कि कोरोना वायरस किसी लैब से लीक हुआ होगा, लेकिन बाद में उसने कहा कि उसकी रिपोर्ट में खामी है और उसने इसकी दोबारा जांच के आदेश दिए।

चीन वायरस संक्रमण फैलने के शुरुआती समय से ही अपने किसी लैब से वायरस के लीक होने की थ्योरी को खारिज करता रहा है। उसने तो एक बार यह भी दावा किया था कि यह वायरस अमेरिका से सब जगह फैला। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कोरोना वायरस के संक्रमण के लिए चीन को ही जिम्मेदार ठहराते रहे थे और वह उसे चीन का

वायरस कहते थे। डब्ल्यूएचओ द्वारा 2021 में गठित विशेषज्ञ पैनल ने हाल में जारी रिपोर्ट में कहा था कि कोरोना संक्रमण की शुरुआत के बारे में जानने के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। रिपोर्ट में हालांकि, यह संभावना जताई गई थी कि वायरस जानवरों खासकर चमगादड़ से इंसानों में आया। रिपोर्ट में हालांकि, इस संभावना से भी इनकार नहीं किया गया कि वायरस लैब लीक का नतीजा हो सकता है। डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ इस बात को उठाते रहे हैं कि चीन कोरोना वायरस के उद्भव की जांच करने में सहयोग नहीं दे रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा में 'पश्चिम बंग' दिवस मनाने की मांग उठायी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विपक्ष ने नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को विधानसभा में मांग उठायी कि 20 जून को 'पश्चिम बंग दिवस' के रूप में मनाया जाए ताकि भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी जा सके। अधिकारी ने कहा, 'हम चाहते हैं कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने के लिए 20 जून को पश्चिम बंग दिवस मनाया जाए। उनके हस्तक्षेप के बिना विभाजन के बाद यह राज्य भारत का हिस्सा नहीं होता।' विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा कि विधानसभा में ऐसा दिवस पहले नहीं मनाया गया।

दो से 12 साल तक के बच्चों पर कोवैक्सीन कारगर 86 प्रतिशत तक मिली एंटीबॉडी

नई दिल्ली। छोटे बच्चों पर कोवैक्सीन का ट्रायल काफी कारगर साबित हुआ है। कानपुर में 2-12 वर्ष के 35 बच्चों पर बीते साल हुए ट्रायल के रिजल्ट ने कोरोना से लड़ने का एक और हथियार दे दिया है। ऐसे में 86 फीसदी तक एंटीबॉडी पाई गई है जबकि सबसे कम उम्र की 2.6 साल की बच्ची में 85 फीसदी एंटीबॉडी मिली है। इसका परिणाम तीन दिन पहले चिकित्सा जगत के जाने-माने जर्नल लैंसेट में भी प्रकाशित किया गया है। लैंसेट ने प्रखर हॉस्पिटल में 35 बच्चों पर किए गए ट्रायल के बाद पांच बार लिए सीरम के आधार पर एंटीबॉडी पर आकलन भी किया। स्टडी के तहत इसका 12-18 उम्र वालों के बीच के ट्रायल रिजल्ट से तुलनात्मक अध्ययन भी किया गया। कोरोना काल में नए-नए वैरिएंट को बच्चों के लिए भविष्य में खतरा मानने की आशंका जताई गई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे में कोवैक्सीन कारगर हो सकती है। हालांकि अभी 12-14 साल वाले वर्ष के बच्चों के लिए कार्बेवैक्स भी लगाई जा रही है जबकि 14-18 साल के बच्चों के लिए कौवैक्सीन लगाई जा रही है। ट्रायल टीम के चीफ गाइड डॉ. जेएस कुशवाहा के मुताबिक बच्चों को 0.5 एमएल की सिंगल डोज दो बार दी गई थी। इसमें पांच बार सीरम लेकर दस महीने तक बच्चों में एंडीबॉडीज के रहने का आकलन किया गया। इंजेक्टेबल कौवैक्सीन से बच्चों में लंबे समय तक एंडीबॉडी के रहने की स्पष्ट तस्वीर सामने आई है। साथ ही यह भी पाया गया है कि जिन बच्चों को दोनों डोज लगाई गई, उन्हें 300 दिनों तक सीजनल बीमारियां यानी सर्दी-जुकाम तक नहीं हुआ।

महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट के बीच फ्लाइट में नवनीत राणा ने पढ़ी हनुमान चालीसा, बोलीं- उद्धव ठाकरे की उलटी गिनती शुरू

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी उठापटक के बीच शिवसेना को चुनौती देने वाली अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने उद्धव ठाकरे सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने फ्लाइट में हनुमान चालीस पढ़ते हुए अपनी एक फोटो ट्वीट करते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। दरअसल, शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे करीब 26 अन्य विधायकों के साथ सूरत के एक रिजॉर्ट में ठहरे हुए हैं।

हनुमान चालीसा विवाद

नवनीत राणा ने मुख्यमंत्री आवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालासी का पाठ करने का ऐलान करके प्रदेश में नए विवाद को जन्म दे दिया था। जिसके चलते नवनीत राणा को अपने विधायक पति के साथ जेल जाना पड़ा था। जिसके बाद अब उन्होंने उद्धव ठाकरे सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट किया कि मुंबई-दिल्ली फ्लाइट के दौरान हनुमान चालीसा पढ़ी, उद्धव ठाकरे की उलटी गिनती शुरू हुई।

सत्ता के लिए नहीं दिया धोखा

महाराष्ट्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के दौर में पहली बार एकनाथ शिंदे का बयान सामने आया। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया कि हम बाला साहेब के पक्के शिवसैनिक हैं... बाला साहेब ने हमें हिंदुत्व सिखाया है... सत्ता के लिए हमने कभी धोखा नहीं दिया और न कभी धोखा देंगे। दरअसल, महाराष्ट्र में विधान परिषद के नतीजे सामने आने के बाद महाविकास अघाड़ी सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे।

विश्नोई और बरार के मना करने के बाद भी मूसेवाला ने किया था शो, इस तरह शुरू हुई इनके बीच अनबन

-सामने आया लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सेंधवा से कनेक्शन, जांच करने पहुंची महाराष्ट्र पुलिस

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस के मुताबिक सिद्धू मूसेवाला के घर, गाड़ी उसके रूट्स की रेकी छह हत्यारे पिछले 15 दिनों से कर रहे थे। वे मूसेवाला की हत्या इसलिए नहीं कर पाए, क्योंकि तब वह बुलेट प्रूफ कार और हथियारों से लैस कमांडो के साथ निकलते थे। लेकिन जैसे ही पंजाब सरकार ने उनकी सुरक्षा वापस ली, उन्हें निशाना बना लिया गया। सिद्धू मूसेवाला और गोल्डी बरार और लारेंस विश्नोई गैंग से क्यों ठनी, इसके पीछे एक कहानी सामने आई है। बताया जाता है कि सिद्धू मुसेवाला को अमेरिका में बैठे एक दोस्त ने शो करने बुलाया तो उन्होंने मुंबई के अपने इंवेट कैंसिल कर दिए और दोस्त के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जहां कार्यक्रम के बाद उन्हें एक ट्रैक्टर भेंट किया गया। सूत्रों के अनुसार कनाडा में बैठे गोल्डी बरार और बिश्नोई लॉरेंस के मना करने के बावजूद सिद्धू मूसेवाला कबड्डी कप में शो करने पहुंचे तो इससे दोनों बुरी तरह नाराज हो गए। समय के साथ उनकी अनबन गहरा गई और वे दोनों सिद्धू मूसेवाला की जान के दुश्मन बन गए। जिसकी कीमत अंतत- सिद्धू मूसेवाला को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। उधर, पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के संदिग्ध लॉरेंस बिश्नोई गैंग को मध्य प्रदेश के सेंधवा से हथियार सप्लाई करने के मामले की जांच के लिए डीएसपी के नेतृत्व में महाराष्ट्र पुलिस की टीम पड़ताल करने बड़वानी जिले के सेंधवा पहुंची है। पुणे पुलिस के मुताबिक़ 13 बंदूकें सेंधवा से बिश्नोई गैंग के लोगों को पहुंचाई गई थी। सेंधवा के थाना प्रभारी राजेश यादव ने माना कि सेंधवा का उमर्टी इलाक़ा अवैध हथियारों के लिए कुख्यात है, जहां पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। उमर्टी में गांव के लोगों ने मीडिया को इस मामले के कवरेज से मना कर दिया, जिस वजह से टीम को वापस लौटना पड़ा। अवैध हथियारों के लिए सेंधवा का उमर्टी इलाका जाना जाता है। सेंधवा शहर में 2021 और 2022 में 37 पिस्टल, 17 देशी कट्टे और 50 से ज्यादा राउंड जब्त किए है। इस मामले में स्थानीय लोगों के अलावा राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र के लोगों को गिरफ़्तार किया गया है।

राम मंदिर निर्माण के लिए दान दिए गए 22 करोड़ के चेक हुए बाउंस

अयोध्या । अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की 'निधि समर्पण योजना के तहत दान देने का सिलसिला जारी है। मगर इसी दौरान 22 करोड़ रुपये से ज्यादा के 15,000 चेक बाउंस भी हुए हैं। विश्व हिंदू परिषद की जिला इकाइयों की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, राम मंदिर ट्रस्ट को दान के रुप में अब तक 3,400 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त हो चुकी है। इसी रिपोर्ट में दान के धन से संबंधित बैंक चेक के बाउंस होने के बारे में भी सूचना दी गई है लेकिन उनके कारणों का कोई जिक्र नहीं किया गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रबंधक प्रकाश गुप्ता ने सोमवार को बताया कि बाउंस हुए चेकों के बारे में अलग से एक रिपोर्ट तैयार की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर कौन-कौन से चेक बाउंस हुए हैं और उनके कैंसल होने के क्या कारण रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनेक चेक स्पेलिंग की गलती या हस्ताक्षर मेल नहीं खाने और अन्य तकनीकी कारणों से बाउंस हुए होंगे, छोटी-छोटी गलतियों की वजह से बाउंस हुए चेकों को बैंक के सामने दोबारा प्रस्तुत किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अयोध्या में रहने वाले दानदाताओं के चेक सबसे ज्यादा संख्या में बाउंस हुए हैं। अकेले अयोध्या जिले में दो हजार से ज्यादा चेक बाउंस हुए हैं। प्रकाश गुप्ता ने बताया कि राम मंदिर निर्माण के लिए एक लाख से पांच लाख रुपए तक दान करने वाले लोगों की संख्या 31,663 है। इसी तरह 1428 लोगों ने पांच से 10 लाख रुपए तक का दान किया है।

उत्तर गुजरात के 135 गांवों तक पानी पहुंचाने के लिए सीएम भूपेंद्र पटेल ने 1566.25 करोड़ रुपए के कार्यों को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

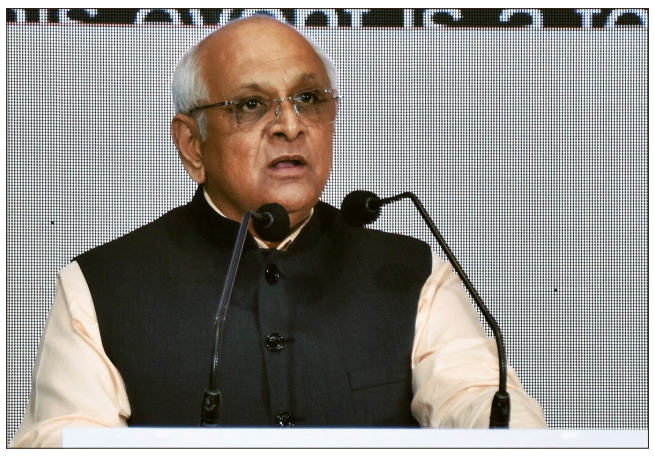

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उत्तर गुजरात के बनासकांठा और पाटण जिले के 135 गांवों के किसानों, पशुपालकों तथा ग्रामीण आबादी को पेयजल और सिंचाई का पानी पहुंचाने का मानवीय संवेदनापूर्ण अहम दृष्टिकोण अपनाया है। मुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य से सुजलाम सुफलाम योजना के अंतर्गत कसरा-दांतीवाड़ा उद्वहन पाइप लाइन योजना के लिए 1566.25 करोड़ रुपए के कार्यों को मंजूरी दी है। इसके अलावा, उन्होंने डिंडरोल-मुक्तेश्वर उद्वहन (लिफ्ट) पाइप लाइन योजना के लिए भी 191.71 करोड़ रुपए के कार्य शुरू करने की अनुमति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस पानी को लेकर बनासकांठा जिले की विशेषकर पालनपुर और वडगाम तहसील की ग्रामीण आबादी, पशुपालकों और किसानों की मांग एवं जनभावनाओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इन दोनों उद्वहन पाइप लाइन योजना के परिपूर्ण होने से अब तक नर्मदा मुख्य नहर की सिंचाई सुविधा से वंचित रहे बनासकांठा जिले के पूर्वी क्षेत्रों में सिंचाई सहित अन्य उपयोग के लिए पानी का एक विश्वसनीय स्रोत तैयार होगा। उल्लेखनीय है कि राज्य के अधिकांश इलाकों में नर्मदा के पानी का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान 2004 में सुजलाम सुफलाम योजना कार्यान्वित की थी।

इस योजना के एक भाग के रूप में उत्तर गुजरात के जिलों को नर्मदा जल उपलब्ध कराने के लिए नर्मदा मुख्य नहर आधारित 14 पाइप लाइन योजनाओं के आयोजन में से 12 पाइप लाइन योजनाएं पूरी होकर कार्यरत भी हो गई हैं। अब, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शेष बची 78 किलोमीटर लंबी और 300 क्यूसेक वहन क्षमता वाली कसरा-दांतीवाड़ा उद्वहन पाइप लाइन योजना के लिए 1566.25 करोड़ रुपए की प्रशासनिक मंजूरी दी है। इतना ही नहीं, उन्होंने मुक्तेश्वर बांध में नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए 100 क्यूसेक वहन क्षमता वाली 33 किलोमीटर लंबी डिंडरोल-मुक्तेश्वर उद्वहन पाइप लाइन योजना के लिए भी 191.97 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं।

भूपेंद्र पटेल द्वारा कसरा-दांतीवाड़ा उद्वहन पाइप लाइन के कार्यों के लिए दी गई प्रशासनिक मंजूरी के परिणामस्वरूप बनासकांठा जिले की डीसा, कांकरेज, दांतीवाड़ा और पालनपुर तहसीलों के 73 गांवों के 156 तालाबों को पाइप लाइन से जोड़कर नर्मदा का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, पाटण जिले की हारिज और सरस्वती तहसील के 33 गांवों के 96 तालाबों को भी नर्मदा के पानी से भरा जाएगा। कसरा-दांतीवाड़ा उद्वहन पाइप लाइन योजना के जरिए कुल 252 तालाबों के नर्मदा के पानी से भरने के कारण लगभग डेढ़ लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई का लाभ तथा 30 हजार से अधिक ग्रामीण किसान परिवारों को सिंचाई और पीने के लिए तथा पशुधन के पेयजल की सुविधा और भी आसानी से उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री द्वारा डिंडरोल-मुक्तेश्वर जलाशय के लिए 33 किलोमीटर लंबी उद्वहन पाइप लाइन योजना के लिए 191.97 करोड़ रुपए के कार्यों को मंजूरी देने से वडगाम तहसील के 24 गांवों के 33 तालाबों को पाइप लाइन से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा, पाटण जिले की सिद्धपुर तहसील के 5 गांवों के 9 तालाबों को भी जोड़ा जाएगा। डिंडरोल-मुक्तेश्वर उद्वहन पाइप लाइन योजना के माध्यम से नर्मदा का 100 क्यूसेक पानी वहन कर मुक्तेश्वर जलाशय में डाला जाएगा। इस तरह लंबे वक्त से सूखे पड़े इस जलाशय में पानी की आवक होगी। इस योजना से बनासकांठा के पूर्वी क्षेत्र के ऊंचाई पर स्थित गांवों की 20,000 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई का लाभ प्राप्त होगा।

17 हजार फीट की ऊंचाई पर जवानों में दिखा जोश बर्फ के बीच किया योगाभ्यास

नई दिल्ली । 8वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। इस मौके पर दुनियाभर में लोग योग का अभ्यास कर रहे हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवान भी इसमें पीछे नहीं रहे। सिक्किम में आईटीबीपी के जवानों ने 17000 फीट की ऊंचाई पर बर्फ के बीच योग का अभ्यास किया। बड़ी संख्या में यहां जवानों ने दिन की शुरुआत योग का अभ्यास करके की। आईटीबीपी के जवानों ने उत्तराखंड के हिमालय में काफी अधिक ऊंचाई पर योग किया। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के हिमवीरों ने 8वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर उत्तराखंड में 14,500 फीट की ऊंचाई पर योग का अभ्यास किया। कुछ दिनों पहले आईटीबीपी के जवानों ने 22,850 फीट की ऊंचाई पर उत्तराखंड हिमालय में बर्फ के बीचों बीच योग का अभ्यास किया था। आईटीबीपी पर्वतारोही पिछले हफ्ते माउंट अबी गामिन की चोटी पर थे, जहां रास्ते में इन्होंने बर्फ से ढके पहाड़ों पर योगाभ्यास किया था। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर हिमवीरों ने उत्तराखंड में 14,500 फीट की ऊंचाई पर योग का अभ्यास किया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम सहित देश के कई दूसरे हिस्सों में भी आईटीबीपी के जवानों ने हजारों फीट की ऊंचाई पर योगासन किया। अभी हाल ही में आईटीबीपी के जवानों ने 22,850 फीट की ऊंचाई पर उत्तराखंड हिमालय में बर्फ के बीचों बीच योग का अभ्यास किया था। पर्वतारोही पिछले हफ्ते माउंट अबी गामिन की चोटी पर थे। आईटीबीपी पर्वतारोहियों की 14 सदस्यीय टीम ने 1 जून को बर्फ के बीचों बीच 20 मिनट तक योग का अभ्यास किया जो अब तक सबसे अधिक ऊंचाई वाला योगाभ्यास का रिकॉर्ड बन गया।

मानसून मेहरबान, दिल्ली को किया तरबतर, एक दर्जन राज्यों में भारी वर्षा का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इस बार देश में मानसून मेहरबान दिख रहा है अधिकांश हिस्सों में बारिश का दौर शुरु हो गया है। मौसम विभाग ने राजधानी दिल्ली में मानसून के आगमन की भविष्यवाणी भी कर दी है। राजधानी दिल्ली व आसपास के कई जगहों पर झमाझम बारिश हो रही है। मुंबई में भी भारी बारिश का दौर शुरू हो गया है। रविवार को सीजन की पहली भारी बारिश हुई थी वहीं सोमवार को भी शहर में मूसलाधार बरसात हुई। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार, 21 जून यानी आज भी मुंबई में भारी बारिश की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को मुंबई और ठाणे में 21 जून तक बहुत भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। भारी बारिश की संभावना को देखते हुए लोगों को सावधानी से घरों से बाहर निकलने की सलाह भी दी थी।

स्काईमेट वेदर के मुताबिक आज असम के पश्चिमी हिस्सों, सिक्किम, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, केरल के कुछ हिस्सों, तटीय कर्नाटक, कोंकण और गोवा सहित मुंबई, दक्षिण गुजरात, पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। दक्षिण ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्से में बारिश की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत के बाकी हिस्सों, तमिलनाडु, लक्षद्वीप के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ के बाकी हिस्सों, आंतरिक ओडिशा, मध्य प्रदेश के बाकी हिस्सों, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

मौसम विभाग के मुताबिक मुंबई में मंगलवार, 21 जून को आसमान में बादल छाए रहेंगे और भारी बारिश होगी। इसी के साथ बता दें कि आज मुंबई के सांताक्रूज में न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। वही कोलाबा में आज न्यूनतम तापमान 23 डिग्री और अधिकतम तापमान 28 डिग्री रहने की संभावना है। जबकि बोरीवली में आज न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक शहर में 21 जून से 24 जून तक भारी बारिश होने की संभावना है। इसके बाद हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। दक्षिण-पश्चिम मानसून अपनी सामान्य आगमन तिथि (27 जून) के आसपास दिल्ली पहुंच जाएगा और वर्षा की कमी की भरपाई भी जून अंत तक हो जाने की संभावना है। पिछले तीन दिन में हुई मानसून पूर्व वर्षा ने दिल्ली में बारिश की कमी को 34 प्रतिशत तक कम कर दिया है और अधिकतम तापमान गिरकर लगभग 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। दिल्ली में एक जून के बाद से 23.8 मिमी बारिश हुई है, जबकि इस अवधि में सामान्य तौर पर 36.3 मिमी बारिश होती है। यह बारिश पिछले चार दिन में हुई है।

अग्निपथ योजना से भाजपा तैयार करना चाहती है अपनी सेना: ममता बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अग्निपथ योजना को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इस योजना के तहत भाजपा अपनी सशस्त्र सेना तैयार कर रही है। टीएमसी चीफ ने कहा, ये अग्निवीर चार साल के बाद क्या करेंगे? भाजपा युवाओं के हाथ में हथियार थमाना चाहती है। ममता बनर्जी ने भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर पलटवार किया। विजयवर्गीय ने कहा था कि भाजपा कार्यालयों की सुरक्षा की जिम्मेदारी देते वक्त अग्निवीरों को प्राथमिकता दी जाएगी। ममता बनर्जी ने पूछा है कि क्या भाजपा अग्निवीरों को अपने कार्यालयों में वॉचमैन बनाने की तैयारी कर रही है। इससे पहले जनता दल सेक्युलर के नेता एचडी कुमारस्वामी ने भी अग्निपथ योजना को आरएसएस का प्लान बता दिया था। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक इस बात की तैयारी कर रहा है कि अग्निपथ योजना से निकलने वाले 10 लाख लोगों में से 75 फीसदी को वे पूरे देश में फैला देंगे। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि अग्निपथ योजना आरएसएस का अजेंडा है। वे सेना पर नियंत्रण करना चाहते हैं। एचडी कुमारस्वामी ने कहा था कि सेना के आंदर और बाहर दोनों आरएसएस के लोग रहेंगे। इसपर भाजपा ने पलटवार करते हुए इस बयान को सेना का अपमान बताया था। बता दें कि अग्निपथ योजना के इतने विरोध के बावजूद केंद्र ने सफा कर दिया है कि इसे वापस नहीं लिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव लेफ्टिनेंट जनरल अनिल पुरी ने कहा कि यह एक प्रगतिवादी कदम है और इसके जरिए युवाओं की फौज तैयार की जाएगी। यह देश की रक्षा का सवाल है। अग्निपथ की भर्ती का पहला नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है।

पूछताछ सिर्फ उसके पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को नीचा दिखाने के लिए की जा रही: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस ने 'नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र से जुड़े कथित धनशोधन मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय की पांचवें दिन होने वाली पूछताछ से पहले केंद्र सरकार पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि यह पूछताछ सिर्फ उसके पूर्व अध्यक्ष को नीचा दिखाने के लिए की जा रही है, क्योंकि इस पूरी प्रक्रिया में कुछ भी संवैधानिक और कानूनी नहीं है। कांग्रेस ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने उसके मुख्यालय के सामने रैपिड ऐक्शन फोर्स तैनात की है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, ''जहां दंगे करवाते हैं वहां तो रैपिड ऐक्शन फ़ोर्स समय पर नहीं पहुंचाई जाती। परंतु नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के सामने नीले रंग की वर्दी पहने जवानों की रैपिड एक्शन फोर्स मंगलवार सुबह से मौजूद है। इसको कहते है अमितशाही! कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा, ''राहुल गांधी के नेतृत्व से भाजपा की हालत हो गई है पतली, इसीलिए भाजपा ने बनाया है ईडी को अपनी कठपुतली...पांच दिनों की पूछताछ संवैधानिक और कानूनी नहीं है, बल्कि निजी भय है। राहुल गांधी इस सरकार को वर्षों से आईना दिखा रहे हैं, इसलिए यह सब हो रहा है। उन्होंने कहा, अगर यह मामला धनशोधन का है तो धन का हस्तांतरण कहां हुआ? स्पष्ट है कि यह द्वेष की भावना से बनाया गया मनगढ़ंत मामला है।

देश में कोरोना वायरस के 9,923 नए मामले, 17 और मरीजों ने गंवाई जान

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में मंगलवार को कोविड-19 के 9,923 नए मामले आने से कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ कर 4,33,19,396 हो गई, तथा उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 79,313 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 17 और मरीजों के महामारी से जान गंवाने के बाद मृतकों की संख्या 5,24,890 पर पहुंच गयी है। मंत्रालय के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.18 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.61 प्रतिशत है।

आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मामलों की संख्या में 2,613 की वृद्धि दर्ज की गयी है। संक्रमण की दैनिक दर 2.55 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 2.67 प्रतिशत दर्ज की गयी। मंत्रालय ने बताया कि इस बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,27,15,193 हो गयी है जबकि मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत है। देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक लोगों को टीके की 196.32 करोड़ खुराकें दी गयी है। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, कोरोना वायरस से देश में जिन 17 और मरीजों की मौत हुई है, उनमें से छह दिल्ली से, पांच केरल से, दो महाराष्ट्र से और एक-एक मरीज की मौत हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में हुई।

देश में संक्रमण से अब तक कुल 5,24,890 लोगों की मौत हुई है जिनमें से 1,47,888 महाराष्ट्र से, 69,889 केरल से, 40,113 कर्नाटक से, 38,026 तमिलनाडु से, 26,238 दिल्ली से, 23,527 उत्तर प्रदेश से और 21,209 पश्चिम बंगाल से हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक जिन लोगों की कोरोना वायरस के संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से अधिक मरीजों को अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं।

हमारी सरकार का लक्ष्य स्कूली छात्रों को योग की शिक्षा देना है : मुख्यमंत्री केजरीवाल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यहां त्यागराज स्टेडियम में सैकड़ों लोगों के साथ योगासन किया और कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य स्कूली छात्रों को इसकी शिक्षा देना है। केजरीवाल ने इस कार्यक्रम में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 'दिल्ली की योगशाला' के सदस्यों के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक दिल्लीवासी दैनिक रूप से योग का अभ्यास करे।

उन्होंने कहा, ''यदि बच्चों में (योग का अभ्यास करने की) आदत डाल दी जाए, तो वे जीवन भर इससे जुड़े रहेंगे। हमारा उद्देश्य बच्चों को योग सिखाना और यह देखना है कि इसे स्कूलों में कैसे शुरू किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार किया है, लेकिन योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाने से लोगों को अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं होगी। दिल्ली की योगशाला कार्यक्रम के बारे में केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने योग मुफ्त में सीखा और यह दिल्ली वालों के लिए भी मुफ्त होगा। उन्होंने कहा, ''हमें योग को उस मंच तक ले जाना है जहां हजारों लोग इसका अभ्यास कर रहे हैं, और इसके बाद लाखों लोग इसका अभ्यास करें। कुछ लोग मुफ्त योग कक्षाओं के लिए मेरी आलोचना करते हैं।

मैंने इसे (योग) कक्षा आठ में मुफ्त में सीखा, इसलिए यह लोगों के लिए मुफ्त होगा क्योंकि जीवन में हर आवश्यक चीज, जैसे हवा आदि मुफ्त है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की योगशाला में निःशुल्क कक्षाओं के तहत पुरुषों, महिलाओं, अमीरों और गरीबों सहित 17,000 से अधिक दिल्लीवासी रोजाना 546 स्थानों पर योग का अभ्यास करते हैं।

कोविड महामारी की तीसरी लहर के दौरान केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार ने गृह पृथक-वास में कोविड-19 रोगियों के लिए मुफ्त ऑनलाइन योग कक्षाएं शुरू कीं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा आयोजित ऑनलाइन योग सत्र में ऐसे 4,700 से अधिक रोगियों ने भाग लिया।

उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर लोगों से स्वस्थ जीवन के लिए हर दिन योग और प्राणायाम करने का संकल्प करने की अपील की। दिल्ली सरकार 'दिल्ली की योगशाला' कार्यक्रम के तहत योग करने के इच्छुक 20-25 लोगों के समूहों को एक प्रशिक्षक मुहैया कराती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

योग जीवन का हिस्सा ही नहीं, जीवन जीने की पद्धति भी बन रहा है: पीएम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

२१ जून को देशभर में आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व योग दिवस के कार्यक्रमों में कर्नाटक में मैसूर से वर्चुअल तरीके से

उपस्थित रहे। गुजरात में राज्य स्तरीय कार्यक्रम अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड तथा राज्य के खेल मंत्री हर्ष संघवी की प्रेरक उपस्थित में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मैसूर से वर्चुअल तरीके से संबोधित करते हुए कहा कि योग आज हमारे लिए केवल 'पार्ट ऑफ लाइफ' अर्थात जीवन का हिस्सा ही नहीं है बल्कि अब यह 'वे ऑफ लाइफ' यानी जीवन जीने की पद्धति बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सभी स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण विश्व को योग के माध्यम से गति देंगे। ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या हो या अंतरराष्ट्रीय विवाद हो, योग के जरिए सामूहिक चेतना से सभी समस्याओं का हल निकालकर विश्व शांति स्थापित की जा सकती है। योग समस्या का समाधानकर्ता बन सकता है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि हम कितने भी तनावपूर्ण माहौल में क्यों न हों, कुछ मिनट का ध्यान एवं योग हमारी उत्पादकता को बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि हमें योग को जानना भी है, जीना भी है, हमें योग को पाना भी है और अपनाना भी है। हमें योग को विकसित और विस्तारित करना है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2022 की थीम 'मानवता के लिए योग' का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार 'गार्जियन रिंग ऑफ योगा' का अभिनव प्रयोग आज पूरी दुनिया में हो रहा है। दुनिया के विभिन्न देशों में सूर्योदय के साथ, सूर्य की गति के साथ, लोग योग कर रहे हैं। जैसे-जैसे सूर्य आगे बढ़ रहा है, उसकी पहली किरण के साथ अलग-अलग देशों में लोग साथ जुड़ते जा रहे हैं। पूरी पृथ्वी के चारों ओर योग की रिंग बन रही है। यही है 'गार्जियन रिंग ऑफ योग।'

प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार सरकार के स्टार्टअप योग चैलेंज का उल्लेख करते हुए युवाओं को योग में नए आइडिया लाने और नवीन प्रयोग करने का आह्वान किया।

हमारे लिए बाला साहब के आदर्श सर्वोपरि : एकनाथ शिंदे

सीएम उद्धव ने सत्ता के लिए हिंदुत्व से की धोखाधड़ी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत ,कई विधायकों को लेकर सूरत पहुंचे एकनाथ शिंदे के खिलाफ उद्धव ठाकरे ने कड़ा ऐक्शन लिया है। उन्हें शिवसेना के विधायक दल के नेता के पद से हटा दिया गया है। इस एक्शन के तुरंत बाद एकनाथ शिंदे ने भी तीखी प्रतिक्रिया की है और उद्धव ठाकरे पर सत्ता के लिए हिंदुत्व से धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। एकनाथ शिंदे ने ट्वीट किया, 'हम बालासाहेब ठाकरे के कट्टर शिवसैनिक हैं। बालासाहेब ने हमें हिंदुत्व की सीख दी थी। हमने कभी इससे धोखा नहीं किया गया था और न ही कभी हिंदुत्व से गद्दारी करेंगे। हम बालासाहेब ठाकरे की सिखाई हुई बातों के साथ हैं।

एकनाथ शिंदे के ट्वीट से साफ है कि वह भाजपा के साथ जाने की तैयारी में हैं। उद्धव ठाकरे को बालासाहेब की हिंदुत्व की सीख याद दिलाते हुए एकनाथ शिंदे ने साफ कर दिया है कि शिवसेना की गठबंधन सरकार

से संतुष्ट नहीं थे। बता दें कि शिवसेना ने एकनाथ शिंदे पर कड़ा ऐक्शन लेते हुए उन्हें पार्टी के विधायक दल के नेता के पद से हटा दिया है। उनके स्थान पर सेवरी के विधायक अजय चौधरी को पार्टी हाईकमान ने यह जिम्मेदारी दी है। एकनाथ शिंदे को बालासाहेब ठाकरे के भरोसेमंद नेताओं में से एक माना जाता था। ऐसे में बालासाहेब ठाकरे की ही सीख का हवाला देते हुए उन्होंने उद्धव ठाकरे पर हमला बोला है।

शिवसेना और एकनाथ शिंदे के करीबी सूत्र भी बताते हैं कि वह पार्टी में किनारे लगाए जाने से नाराज थे। दरअसल वह एनसीपी को गठबंधन में ज्यादा महत्व मिलने से नाराज थे। एक तरफ उद्धव ठाकरे सीएम बन गए और उनके बेटे आदित्य ठाकरे को भी मंत्री पद मिल गया, लेकिन शिवसैनिकों की समस्याओं को सुनने के लिए कोई नेता उपलब्ध नहीं था। ऐसे तमाम मुद्दों पर एकनाथ शिंदे की लीडरशिप से नाराजगी बढ़ती चली गई। कहा यह भी जा रहा है कि एकनाथ शिंदे खुद को सीएम के तौर पर देख रहे थे, लेकिन एनसीपी और कांग्रेस के साथ गठबंधन के अप्रत्याशित तौर पर उद्धव ठाकरे ही सीएम बन गए थे।

बता दें कि 26 विधायकों के साथ पार्टी के सीनियर नेता और मंत्री एकनाथ शिंदे सूरत में कैंप कर रहे हैं। एक तन्फ उद्धव ठाकरे ने आपातकालीन बैठक बुला ली है तो वहीं उत्साहित भाजपा के सीनियर नेताओं की दिल्ली में बैठक चल रही है। बीते करीब ढाई साल से चली आ रही उद्धव ठाकरे सरकार को यह झटका उनके ही करीबी नेता एकनाथ शिंदे ने दिया है। शिंदे के बारे में जानने वाले लोग बताते हैं कि वह शिवसेना के संकटमोचक रहे हैं।

ऐसे में उनकी ओर से दिए गए झटके से शिवसेना का संभलना मुश्किल होगा। एकनाथ शिंदे की शिवसेना पर कितनी पकड़ रही है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह बाल ठाकरे के भी बेहद करीबी थी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पार्टी के जिला प्रमुख और राजकोट के सांसद पर लगाए गंभीर के आरोप

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मोरबी,भाजपा के वरिष्ठ नेता जीतु सोमाणी ने पार्टी के मोरबी जिला प्रमुख दुर्लभ देथरिया और राजकोट के सांसद मोहन कुंडारिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सांसद मोहन कुंडारिया ने जीतु सोमाणी के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि वांकानेर नगर पालिका प्रशासन में अनियमितता के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा रही है। दरअसल कुछ समय पहले राज्य सरकार ने वांकानेर नगर पालिका के प्रमुख, उप प्रमुख समेत सभी सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। आगामी दिनों में वांकानेर नगर पालिका के सुपरसीड होने की संभावनाओं के बीच आज वांकानेर भाजपा के नेता जीतु सोमाणी ने पत्रकार परिषद कर पार्टी के जिला प्रमुख दुर्लभ देथरिया और राजकोट के सांसद मोहन कुंडारिया पर आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि इन नेताओं के द्वारा वांकानेर नगर पालिका सुपरसीड करने के लिए साजिश रची जा रही है। जीतु सोमाणी के आरोपों को खारिज करते हुए मोरबी जिला प्रमुख दुर्लभ देथरिया ने कहा कि वांकानेर नगर पालिका में चल रही अनियमितताओं के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा रही है। जिसमें बतौर मोरबी जिला प्रमुख मेरी कोई भूमिका नहीं है। राजकोट के सांसद मोहन कुंडारिया का भी कार्यवाही में कोई रोल नहीं है। सरकार की ओर से कानूनी कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में वांकानेर नगर पालिका की अनियमितताओं को खुलासा हो सकता है।

महाराष्ट्र में सियासी उठा पटक के बीच गुजरात कांग्रेस के विधायकों को दिल्ली का बुलावा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

महाराष्ट्र में कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना की महा विकास अघाडी सरकार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। महाराष्ट्र की सियासी उठापटक के बीच गुजरात कांग्रेस के सभी विधायकों को पार्टी हाईकमांड ने कल सुबह तक दिल्ली पहुंचने का फरमान जारी किया है। जिसे लेकर कांग्रेस विधायकों की समझ नहीं आ रहा है कि आखिर हो क्या रहा है। बता दें कि महाराष्ट्र विकास अघाडी की सरकार में मंत्री शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने पार्टी के कई विधायकों के साथ सूरत की होटल में डेरा डाल दिया है। एकनाथ शिंदे समेत अन्य विधायकों के बागी तेवर से महाराष्ट्र की महा विकास अघाडी सरकार गिरने का खतरा बढ़ गया है। शिवसेना ही नहीं कांग्रेस और एनसीपी को भी पार्टी में टूट की आशंका सता रही है। जिससे एनसीपी भी अपने विधायकों को एकजुट रखने का प्रयास कर रही है। दूसरी ओर कांग्रेस ने पार्टी के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ को विधायकों को एकजुट रखने की जिम्मेदारी सौंप दी। दूसरी ओर कांग्रेस हाईकमांड ने गुजरात के अपने सभी विधायकों को बुधवार की सुबह तक दिल्ली पहुंचने का फरमान जारी कर दिया है। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राहुल गांधी से की जा रही पूछताछ का विरोध करने के लिए गुजरात कांग्रेस के विधायकों को दिल्ली बुलाया गया है। लेकिन असली वजह क्या है? इसका किसी को कोई अनुमान है। इतना ही नहीं गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को दो दिन दिल्ली में रहने का आदेश दिया गया है। बता दें कि नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी आज पांचवें दिन भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछताछ कर रही है। जिसके विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन भी जारी है। बताया जा रहा है कि इसी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए गुजरात कांग्रेस के विधायकों को दिल्ली बुलाया गया है।